मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 30
बुधवार, 05 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र से जुड़ा बिल राज्यसभा में पास, रजिस्ट्रेशन में एक गलती और जाना पड़ेगा कोर्ट

नई दिल्ली, 04 अगस्त। राज्यसभा में मंगलवार को 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल 2026' ध्वनि मत से पास हो गया। इससे पहले यह बिल 31 जुलाई को लोकसभा में पास हुआ था।

इस दौरान विपक्षी दलों ने लगातार नारेबाजी की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग की। साथ ही उन्होंने अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर भी नारे लगाए। सरकार की तरफ से साफ किया कि एक साल तक के पंजीकरण की मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले की तरह जन्म या मृत्यु की सूचना 21 दिन के अंदर देने पर सामान्य रूप से रजिस्ट्रेशन होगा। लेकिन 21 दिन से लेकर एक साल तक की देरी होने पर तय नियमों के अनुसार विलंब शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा।

सरकार का कहना है कि हर बच्चे का जन्म समय पर दर्ज होना जरूरी है, क्योंकि इसी आधार पर उसे शिक्षा, पहचान, सरकारी योजनाओं और अन्य कानूनी अधिकारों का लाभ मिलता है। इसी तरह मृत्यु का सही रिकॉर्ड भी प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अहम होता है।

नए संशोधन बिल के अनुसार एक साल से ज्यादा और 2 साल के अंदर जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट (SDM) या उनकी ओर से नियुक्त किसी अधिकारी की

इजाजत जरूरी होगी। अगर किसी जन्म या मृत्यु का पंजीकरण 2 साल से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो अब केवल न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। इसके अलावा, अनुमति देने से पहले संबंधित अधिकारी को दी गई जानकारी और दस्तावेजों की पूरी जांच करनी होगी, ताकि रिकॉर्ड सही और प्रमाणिक रहे। इस बिल का उद्देश्य 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969' के नियमों को और सख्त बनाना है। विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच बहस का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कई सदस्यों ने प्रस्तावित कानून के महत्व को समझाया है और विपक्ष से इसके मकसद को समझने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश में पैदा होने वाले हर बच्चे का पंजीकरण हो और हर मौत का रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि मरने वाले लोग 'घोस्ट वोटर' (ँङ्ग२३ ५ङ्ग३-ी१२) न बने रहें और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पार्टियों को फायदा न पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया, 'कांग्रेस ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण के जरिए इस देश को धोखा दिया।'राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित होने के बाद दोपहर 2 बजे जब सदन की बैठक फिर से शुरू हुई। इस दौरान गृह राज्य मंत्री राय ने बिल पर विचार और उसे पास कराने के लिए प्रस्ताव पेश किया।

अमित शाह का 'ऑपरेशन त्रिशूल', अपराधियों का विदेश छुपना आसान नहीं, 274 वापस लाए गए

नई दिल्ली, 04 अगस्त। देश छोड़कर भाग गए अपराधियों के लिए अब विदेशी धरती भी सुरक्षित नहीं रहा। नाम बदलकर, पहचान छुपाकर दूसरे देशों में रह रहे 274 भगोड़े अपराधियों को भारत लाया जा चुका है। नाम और पहचान छुपाकर छिपे इन अपराधियों का लोकेशन ट्रैक करने के लिए सैटेलाइट और डिजिटल फुटप्रिंट का उपयोग किया जा रहा है।

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पुराने दिन गए, जब सिस्टम की खामियों का लाभ उठाकर अपराधी बच निकलते थे, नए कानून, नई संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से नया भारत सिस्टम की सभी खामियों को भर रहा है ताकि सुरक्षा तंत्र को अभेद्य बनाया जा सके।

गृह मंत्रालय के अनुसार बात सिर्फ भगोड़े अपराधियों को वापस लाने तक सीमित नहीं है। देश के

भीतर भी उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। भगोड़े अपराधियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथम कानून (पीएमएलए) के तहत भी कार्रवाई की जा रही है। 2019 से 2026 के बीच ऐसे अपराधियों की 17,874 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इसी बीच अपराधियों से पीड़ित लोगों को 18,762 करोड़ रुपये वापस लौटाने का काम भी किया गया है, जिनमें देश छोड़कर भागे आर्थिक अपराधियों का पैसा भी शामिल है।

भगोड़ों अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए देश के भीतर और बाहर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का एक मजबूत ढांचा तैयार किया गया है। इसके तहत भारत में इंटरपोल के रूप में काम करने वाली सीबीआई को सभी राज्यों के पुलिस मुख्यालय के साथ-साथ जिला पुलिस मुख्यालय को भी जोड़ा गया है। भारतपोल नाम के इस प्लेटफॉर्म पर भगोड़े अपराधियों के बारे में तेजी से सूचनाओं और जरूरी दस्तावेजों का आदान प्रदान हो रहा है। देश भर के विभिन्न एजेंसियों के 1400 से अधिक यूनिट इस पोर्टल से जुड़े हुए हैं। अमित शाह ने पिछले साल जनवरी में इसको लॉन्च किया था।

भारतपोल पर आ रही सूचनाओं को इंटरपोल के माध्यम से विभिन्न देशों की एजेंसियों के बीच साझा किया जा रहा है, जिससे भगोड़ अपराधियों की पहचान के साथ-साथ उन्हें वापस लाने में मदद मिल रही है।

गोरखपुर पुलिस एक्शन: मासूम से दुष्कर्म-हत्या के बाद बढ़ी सख्ती, 45 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

गोरखपुर, 04 अगस्त। जिला अस्पताल के पास से अपहरण कर मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की वारदात के बाद पुलिस विभाग ने आंतरिक स्तर पर सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। एसएसपी ने भ्रष्टाचार, अवैध वसूली, कर्तव्य में लापरवाही और अन्य गंभीर आरोपों से घिरे 45 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही इनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच की भी समीक्षा शुरू कर दी गई है।

पुलिस विभाग ने लंबित विभागीय जांचों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सभी संबंधित अधिकारियों से जांच की वर्तमान स्थिति और प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जांच प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई

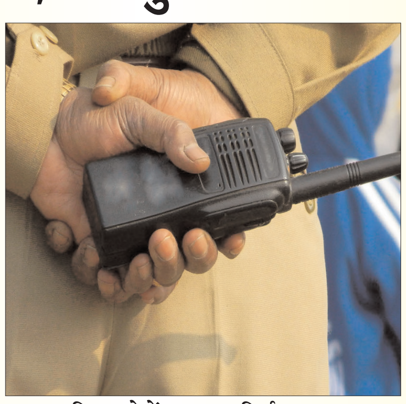

जाए, ताकि आरोपों पर जल्द निर्णय लिया जा सके।

अधिकारियों के अनुसार, 45 पुलिसकर्मियों पर भ्रष्टाचार, वसूली, लापरवाही और अन्य गंभीर मामलों में केस दर्ज पाए गए हैं। इसी आधार पर उन्हें लाइन हाजिर किया गया है। इनके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी विभागीय जांच चल रही है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ लाइन हाजिर, निलंबन और अन्य विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस विभाग ने सभी विभागीय जांचों की निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जांच में अनावश्यक देरी न हो और प्रत्येक मामले में तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाए। विभाग का मानना है कि सख्त कार्रवाई से पुलिस बल में अनुशासन मजबूत होगा और आम जनता का भरोसा बढ़ेगा। केस दर्ज पाए जाने पर 45 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया है।

ट्रंप ने डील से निकाला नाम तो पाकिस्तान ने बदले तेवर, ईरानी विदेश मंत्री अराघची को बुलाया इस्लामाबाद

ईरान, 04 अगस्त। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान ने अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची को जल्द से जल्द इस्लामाबाद आने का न्योता दिया है। पाकिस्तान का यह कदम ऐसे समय आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर लगातार अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इशाक डार और अब्बास अराघची के बीच बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। डार ने अराघची को उनकी सुविधा के अनुसार जल्द पाकिस्तान आने का

निमंत्रण दिया।

इस्लामाबाद की कोशिश खुद को अमेरिका और ईरान के बीच एक संभावित कूटनीतिक पुल और मध्यस्थ के रूप में पेश करने की है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, पर्दे के पीछे बातचीत और संपर्क जारी हैं और पाकिस्तान तनाव कम कराने में भूमिका निभाना चाहता है। यानी पाकिस्तान सीधे तौर पर युद्ध में शामिल होने के बजाय बातचीत की मेज पर अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान के लिए सबसे दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया बयानों में ईरान के साथ बातचीत के संदर्भ में सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का जिक्र किया, लेकिन पाकिस्तान का नाम प्रमुख मध्यस्थों के तौर पर नहीं लिया। यही वजह है कि इस्लामाबाद का अराघची को निमंत्रण और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पाकिस्तान शायद यह संदेश देना चाहता है कि अमेरिकी बयानों में उसका नाम भले न हो, लेकिन तेहरान के साथ उसके कूटनीतिक संपर्क अभी भी सक्रिय हैं।

पाकिस्तान को हालांकि पूरी तरह बाहर नहीं किया गया है। ईरानी पक्ष पहले भी इस्लामाबाद की मध्यस्थ भूमिका का संकेत देता रहा है। यही वजह है कि पाकिस्तान अब सीधे तेहरान के साथ अपने संपर्कों को और मजबूत करने में जुटा है। अराघची को बुलाने के साथ-साथ पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ को भी इस्लामाबाद आने का न्योता दिया है। पाकिस्तान का दावा है कि वह पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक प्रयासों में भूमिका निभाता रहा है। इस्लामाबाद ने अप्रैल में शांति वाताओं की मेजबानी की थी और बाद में स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी स्तर की बातचीत में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, इसके बाद तनाव फिर बढ़ गया और बातचीत की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बांग्लादेश को निमंत्रण

नयी दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कहा कि उसने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरिच सत्र में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। भारत 12 और 13 सितंबर को नयी दिल्ली में वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। सम्मेलन में पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक प्रभाव सहित कई वैश्विक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फरवरी में शीर्ष पद संभालने के बाद रहमान को भारत की द्विपक्षीय यात्रा के लिए भी निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने नियमित प्रेस वार्ता में कहा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संबंध में भारत ने बिम्सटेक के वर्तमान

अध्यक्ष के रूप में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने का अलग से निमंत्रण दिया है। जायसवाल ने कहा कि यह निमंत्रण ब्रिक्स के आउटरीच सत्र के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य प्रक्रिया के तहत दिया गया है।

उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रीय संगठनों के प्रमुखों को भी इसी प्रकार आमंत्रित किया गया है। वर्तमान में भारत ब्रिक्स का अध्यक्ष है और इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

धोनी की निगरानी में ऋषभ पंत ने की टेस्ट सीरीज की तैयारी, रांची में माही के साथ अभ्यास करते आए नजर

नई दिल्ली, 04 अगस्त। श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की देखरेख में अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत श्रीलंका दौरे पर जा रहा है, जहां पहला टेस्ट 15 अगस्त से शुरू होना है। स्पिन के अनुकूल

परिस्थितियों में शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के लिए मध्य क्रम में पंत की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रांची में धोनी और पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम के साथ अभ्यास किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पंत और धोनी को पूर्व कप्तान के फार्महाउस से एक साथ बाहर निकलते हुए देखा गया, जबकि कई प्रशंसकों ने भी ट्रेनिंग सत्र की झलकियां साझा कीं। श्रीलंका का यह दौरा पंत के लिए एक ऐसे समय में आया है जब हाल ही में भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई घरेलू टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। श्रीलंका में परिस्थितियों के स्पिन के अनुकूल रहने की पूरी संभावना है, इसलिए पंत को उम्मीद होगी कि धोनी के साथ यह ट्रेनिंग सत्र दो मैचों की इस सीरीज से पहले उनके खेल को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

धोनी को उपमहाद्वीप में स्पिन गेंदबाजी और विकेटकीपिंग की परिस्थितियों को सबसे बेहतर ढंग से समझने वाले खिलाड़ियों में गिना जाता है। पंत पिछले कुछ वर्षों से नियमित रूप से उनकी सलाह लेते रहे हैं और दोनों के बीच गहरा रिश्ता है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✔ 34+ Years of Academic Excellence
✔ Experienced & Dedicated Faculty
✔ Personal Attention
✔ Printed Notes & Regular Tests
✔ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

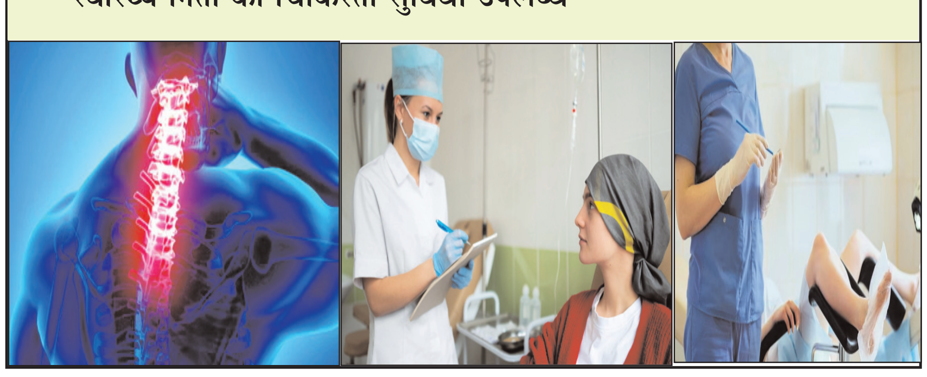

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

जॉब नहीं तो सिंहासन हिलेगा, राहुल का प्रयागराज से बड़ा दांव

-अजय कुमार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने साफ लिखा, 'जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा।' यह पोस्ट ठीक उसी समय आया जब देश भर में बेरोजगारी और पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं का गुस्सा अभी भी थमा नहीं है। कोटा और देहरादून के बाद अब यह अभियान 'छात्रों की गूंज' 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी कॉलेज मैदान में उतरने जा रहा है। कांग्रेस का दावा है कि मिस्ड कॉल और क्यूआर कोड के जरिए डेढ़ लाख से ज्यादा छात्रों ने इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा संकेत है।प्रयागराज कभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मक्का माना जाता था। यहां हर साल देश-प्रदेश से लाखों युवा आते हैं। फॉर्म भरते हैं, फीस जमा करते हैं, सालों साल कोचिंग करते हैं और फिर इंतजार करते रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियां और परीक्षा पैटर्न में बदलाव ने इन युवाओं का भरोसा तोड़ दिया। नीट यूजी 2026 परीक्षा में हुए कथित पेपर लीक के बाद पूरे देश में गुस्सा फूट पड़ा। मई में करीब 22 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। लीक की खबर आने के बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। फिर जून में दोबारा परीक्षा हुई जिसमें करीब 20 लाख छात्र शामिल हुए। दो लाख के आसपास छात्र दोबारा नहीं बैठे। यह आंकड़ा बताता है कि कितने युवाओं का एक साल बर्बाद हो गया।दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले हुए प्रदर्शन ने इस गुस्से को नया रूप दिया। जुलाई में जब हजारों छात्र संसद की ओर बढ़े तो पुलिस ने लाठियां चलाईं और पैलेट गन का इस्तेमाल भी हुआ। कई युवा घायल हुए। कुछ दिनों बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री ने फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की बात कही। लेकिन युवाओं का सवाल अभी भी वही है कि सिस्टम क्यों बार-बार नाकाम साबित होता है।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में ठीक यही बात दोहराई। उन्होंने लिखा कि पेपर लीक ने युवाओं का आज छीन लिया, रुकी हुई भर्तियों ने उनका कल छीन लिया और दिल्ली में सिर्फ इसलिए लाठियां चलीं क्योंकि उन्होंने अपने हक की बात कही। अब बहाने नहीं चलेंगे। जवाबदेही लीजिए या कुर्सी छोड़िए।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय खुद प्रयागराज में कैंप कर रहे हैं। पार्टी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम भी तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। केपी ग्राउंड पर मंच तैयार हो रहा है। आसपास के जिलों से छात्रों को लाने के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कौशांबी, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी समेत पूर्वांचल के कई जिलों से युवा आने वाले हैं। भदोही से अकेले हजारों छात्रों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि यह सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले युवाओं को एक मंच देने की कोशिश है।उत्तर प्रदेश में युवा और बेरोजगारी का मुद्दा हमेशा से संवेदनशील रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र की डबल इंजन सरकार रोजगार देने के दावे करती रही है। लेकिन पेपर लीक के मामले और भर्तियों में देरी ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रयागराज में तैयारी करने वाले छात्रों में ब्राह्मण, भूमिहार, मौर्य, कुर्मी और दलित समुदाय के युवा बड़ी संख्या में हैं। इनमें से कई पारंपरिक रूप से भाजपा के साथ रहे हैं। लेकिन अगर ये युवा बेरोजगारी और परीक्षा व्यवस्था की अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की ओर झुकते हैं तो 2027 के समीकरण बदल सकते हैं।इतिहास गवाह है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय और छात्र राजनीति ने देश को कई नेता दिए। चंद्रशेखर आजाद की शहादत की भूमि से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, वीपी सिंह और हेमवती नंदन बहुगुणा तक की राजनीतिक यात्रा यहीं से शुरू हुई। छात्र आंदोलन हमेशा सत्ता के खिलाफ जनमत बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता आया है।

राहुल गांधी का यह दौरा उसी परंपरा को आगे बढ़ाने की कोशिश लगता है।कोटा में 17 जून को अभियान शुरू हुआ था। देहरादून में 17 जुलाई को दूसरा चरण हुआ। अब प्रयागराज तीसरा और शायद सबसे महत्वपूर्ण चरण है। पहले दिल्ली में 9 अगस्त को बड़ा कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन अनुमति न मिलने के बाद इसे प्रयागराज शिफ्ट कर दिया गया।कांग्रेस की रणनीति साफ है। 2027 के चुनाव को जातिगत समीकरणों के बजाय युवा और बेरोजगारी के नैरेटिव पर केंद्रित करना। सपा के पीडीए फॉमूर्ले के साथ अगर कांग्रेस छात्र शक्ति को जोड़ लेती है तो गठबंधन का आधार और मजबूत हो सकता है। झारखंड में जेपीएससी को लेकर भी छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर का असर कई राज्यों में दिख रहा है। ऐसे में प्रयागराज का कार्यक्रम सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संदेश बन सकता है।डेढ़ लाख पंजीकरण का दावा अगर मैदान में भीड़ में तब्दील होता है तो यह कांग्रेस के लिए बड़ी कामयाबी होगी। लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं। प्रशासनिक अनुमति, सुरक्षा व्यवस्था और मौसम सब कुछ देखना होगा। पार्टी के अंदर भी तैयारियों को लेकर कुछ घर्षण की खबरें आई हैं। फिर भी अजय राय और स्थानीय नेता दावा कर रहे हैं कि केपी ग्राउंड से लेकर शहर की गलियां युवाओं से भर जाएंगी।राहुल गांधी के पोस्ट का स्वर आक्रामक है। सिंहासन हिलने की बात सिर्फ नारा नहीं, बल्कि युवाओं के गुस्से को राजनीतिक ताकत में बदलने की कोशिश है। पेपर लीक के बाद शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, भर्तियों में देरी और दिल्ली की घटना ने एक नई पीढ़ी को सड़क पर उतार दिया। अब देखना यह है कि 8 अगस्त को प्रयागराज में यह गूंज कितनी दूर तक जाती है।अगर युवा सच में बड़ी संख्या में पहुंचते हैं तो 2027 के यूपी चुनाव से पहले कांग्रेस के मिशन का आगाज यहीं से हो सकता है। प्रयागराज की धरती ने हमेशा राजनीति को नई दिशा दी है। इस बार भी वही इतिहास दोहराया जा सकता है।

मानवता को झकझोर देने वाली त्रासदी और विश्व शांति का अमर संदेश

मानव इतिहास में कुछ तिथियाँ ऐसी हैं जो केवल कैलेंडर का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरी मानव सभ्यता की चेतना पर अंकित अमिट घाव बन जाती हैं। 6 अगस्त 1945 ऐसी ही एक तिथि है। इसी दिन जापान के हिरोशिमा नगर पर विश्व का पहला परमाणु बम गिराया गया, जिसने कुछ ही क्षणों में एक जीवंत शहर को राख में बदल दिया। लाखों लोगों का जीवन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुआ और मानवता ने विज्ञान के विनाशकारी स्वरूप का सबसे भयावह चेहरा देखा। आज प्रत्येक वर्ष 6 अगस्त को हिरोशिमा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि युद्ध, हिंसा और परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों पर गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और मानवता की रक्षा का संदेश देता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में गिराए गए परमाणु बम ने केवल भवनों और सड़कों को ही नहीं, बल्कि असंख्य परिवारों के सपनों, रिश्तों और भविष्य को भी नष्ट कर दिया। तत्काल हजारों लोग मारे गए, जबकि आने वाले वर्षों में विकिरण के प्रभाव से अनेक लोगों ने कैंसर, जन्मजात विकृतियों और अन्य गंभीर बीमारियों का सामना किया। इस त्रासदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक युद्धों में सबसे बड़ी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। हिरोशिमा की घटना ने विज्ञान के दोहरे स्वरूप पर भी प्रश्नचिह्न लगाया। विज्ञान मानव जीवन को सरल, सुखद और सुरक्षित बनाने का माध्यम है, लेकिन जब वही विज्ञान विनाश के हथियारों में परिवर्तित हो जाता है, तब उसका परिणाम पूरी मानव सभ्यता के लिए घातक सिद्ध होता है। इसलिए विज्ञान का उपयोग सदैव मानव कल्याण, शांति और विकास के लिए होना चाहिए। आज विश्व के अनेक देशों के पास परमाणु हथियार हैं। यह स्थिति वैश्विक सुरक्षा के लिए निरंतर चिंता का विषय बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरस्त्रीकरण, संवाद और कूटनीति को बढ़ावा देने के प्रयास इसलिए आवश्यक हैं, ताकि भविष्य में हिरोशिमा जैसी त्रासदी कभी दोहराई न जाए। भारत सदैव विश्व शांति, अहिंसा और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का समर्थक रहा है। महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का दर्शन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। हिरोशिमा हमें सिखाता है कि विश्व की किसी भी समस्या का स्थायी समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और सहयोग में निहित है। हिरोशिमा आज केवल एक शहर नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक जीवंत चेतावनी है। वहाँ स्थापित शांति स्मारक और हर वर्ष आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम पूरी दुनिया को यह याद दिलाते हैं कि युद्ध की वास्तविक जीत किसी की नहीं होती; उसमें अंततः हार मानवता की ही होती है। आवश्यकता है कि नई पीढ़ी को शांति, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों की शिक्षा दी जाए। यदि विश्व को सुरक्षित बनाना है, तो हथियारों की होड़ के स्थान पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय विकास को प्राथमिकता देनी होगी। यही सच्ची प्रगति है और यही सभ्यता का वास्तविक परिचय भी।

हालिया उपचुनावों में कमजोर प्रदर्शन पर क्या है भाजपा के लिए सन्देश

अशोक भाटिया

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सरकार गठन का जरिया नहीं होते, बल्कि वे जनमानस के मूड और देश की अंतधार्राओं को अभिव्यक्त करने वाले सबसे जीवंत माध्यम होते हैं। मुख्य धारा के आम चुनावों के बाद होने वाले उपचुनाव अक्सर स्थानीय मुद्दों और उम्मीदवारों के इर्द-गिर्द सिमटे दिखते हैं, लेकिन हाल ही में संपन्न हुए विभिन्न राज्यों के उपचुनावों के नतीजों ने राष्ट्रीय राजनीति के लिए एक बड़ा कैनवास तैयार किया है। ये परिणाम भारतीय राजनीति के क्षितिज पर एक बड़े बदलाव और भावी संकेतों की ओर इशारा कर रहे हैं। इन परिणामों ने देश की सबसे बड़ी और सत्ताधारी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी के सामने कई गंभीर यक्ष प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हालिया तीन प्रमुख विधानसभा सीटों के चुनावी परिणाम स्पष्ट रूप से भाजपा के लिए गंभीर आत्ममंथन, आर्थिक मोर्चे पर बढ़ती सुस्ती के प्रति जनता की चेतावनी और पार्टी के भीतर व्यापक सांगठनिक सुधार का एक बड़ा अलार्म हैं।

जनमत का बदला मिजाज यह साफ संदेश दे रहा है कि अब सिर्फ बड़े चेहरों, केंद्रीय सत्ता के रसूख या भावनात्मक मुद्दों के सहारे हर चुनावी वैतरणी को पार नहीं किया जा सकता। मतदाताओं ने यह साफ कर दिया है कि वे स्थानीय नेतृत्व, सुशासन और अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को लेकर अधिक जागरूक हो चुके हैं। जहां भाजपा अपनी सांगठनिक मजबूती और अपराजेय चुनावी मशीनरी के लिए जानी जाती रही है, वहीं हाल के नतीजों ने यह दिखाया है कि जमीन पर नए और क्षेत्रीय विकल्प उभर रहे हैं। बिहार की हाई-प्रोफाइल बांकीपुर विधानसभा सीट का नतीजा इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। लगभग तीन दशकों से भाजपा का अभेद्य किला रही इस सीट पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने 19324 मतों के भारी अंतर से भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को पराजित कर दिया। बांकीपुर में भाजपा के इस गढ़ का ढहना केवल एक सीट का नुकसान नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि पारंपरिक मतदाता भी अब ठोस राजनीतिक और विकासात्मक विकल्प मिलने पर पाला बदलने को तैयार हैं।

भाजपा के लिए यह समय आत्ममंथन का इसलिए भी है क्योंकि मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर भी उसे करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। वहां कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6016 मतों से हराकर पार्टी को तगड़ा झटका दिया। हालांकि, गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा के सत्येंद्रभाई पटेल ने 33630 मतों से जीत दर्ज कर पार्टी की लाज बचाई, लेकिन गृह राज्य में जीत की इस निरंतरता के बावजूद हिंदी पट्टी और पूर्वी भारत के परिणाम पार्टी के राष्ट्रीय प्रभुत्व पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। मत प्रतिशत और सीटों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि पार्टी का पारंपरिक कैडर या तो पूरी तरह सक्रिय नहीं था या फिर वह नेतृत्व के कुछ फैसलों से असंतुष्ट था। अति-आत्मविश्वास और जमीन से कटे होने की प्रवृत्ति अक्सर बड़ी-बड़ी राजनीतिक ताकतों को कमजोर कर देती है। भाजपा को अब यह सोचना होगा कि जमीनी स्तर पर कार्यकताओं का जो उत्साह उसकी सबसे बड़ी पूंजी था, उसमें ठहराव क्यों आ रहा है।

इन चुनावी नतीजों को देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति से अलग कर-के नहीं देखा जा सकता। ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भाजपा को मिली कड़ी चुनौती या हार के पीछे आर्थिक सुस्ती एक बहुत बड़ा कारक बनकर उभरी है। देश का एक बड़ा हिस्सा इस समय महंगाई, बेरोजगारी और घटती क्रय शक्ति से जूझ रहा है। रोजमर्रा की चीजों, खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। चुनाव के दौरान यह आक्रोश ईवीएम के जरिए बाहर निकला। इसके साथ ही युवाओं में रोजगार के अवसरों की कमी को लेकर गहरा असंतोष है। हाल के समय में सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में लेटी-लतीफी, पेपर लीक की व्यापक घटनाएं (जैसे नीट-यूजी विवाद) और निजी क्षेत्र में नौकरियों की असुरक्षा ने युवाओं के एक बड़े वर्ग को सरकार की नीतियों के खिलाफ सोचने पर मजबूर किया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य न मिल पाना भी सत्ता विरोधी लहर को हवा दे रहा है। ग्रामीण मतदाताओं ने यह संदेश दिया है कि केवल लोक-लुभावन घोषणाओं से पेट नहीं भरता, उन्हें धरातल पर ठोस परिणाम चाहिए। जब जेब खाली हो और भविष्य असुरक्षित दिखे, तो बड़े-बड़े नैरेटिव भी फीके पड़ जाते हैं। इन उपचुनावों ने आर्थिक नीतियों की समीक्षा करने और आम आदमी को तुरंत राहत पहुंचाने के उपायों पर काम करने का एक स्पष्ट अल्टीमेटम सरकार को दिया है। भाजपा की ताकत हमेशा से उसका कैडर-आधारित ढांचा और सांगठनिक अनुशासन रहा है। लेकिन हालिया दिनों में पार्टी के भीतर गुटबाजी, टिकट वितरण को लेकर असंतोष और केंद्रीय बनाम स्थानीय नेतृत्व के बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई दी है। बांकीपुर और दतिया जैसी सीटों पर भीतरघात और पार्टी के पुराने कार्यकताओं की उपेक्षा हार का मुख्य कारण बनी। दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को अत्यधिक तवज्जो देने और पार्टी के लिए दशकों से खून-पसीना बहाने वाले निष्ठावान कार्यकताओं को दरकिनार करने की रणनीति अब आत्मघाती साबित हो रही है। जब विचारधारा से इतर केवल 'चुनावी जीत' के लिए बाहरी तत्वों को गले लगाया जाता है, तो संगठन की मूल आत्मा कमजोर होती है। कार्यकताओं में यह भावना घर कर रही है कि शीर्ष स्तर पर उनकी मेहनत की कीमत कम आंकी जा रही है और उनके ऊपर 'पैराशूट' नेता थोपे जा रहे हैं। इसके अलावा, सांगठनिक स्तर पर नीचे से ऊपर की ओर जाने वाले फीडबैक सिस्टम का फेल होना भी एक बड़ी चिंता है। शीर्ष नेतृत्व तक जमीन की सही और कड़वी हकीकत नहीं पहुंच पा रही है, जिससे चुनावी रणनीतियां धरातल की सच्चाई से कोसों दूर हो जाती हैं। चाटुकारिता और 'सब ठीक है' का भ्रम पैदा करने वाले नेताओं के कारण पार्टी समय रहते अपनी कमजोरियों को भांप नहीं पा रही है। भाजपा को अगर अपनी चुनावी मशीनरी को फिर से चुस्त-दुरुस्त करना है, तो उसे संगठन के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा, संवाद के रास्ते खोलने होंगे और कार्यकताओं के खोए हुए विश्वास को बहाल करना होगा।

इन उपचुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू गैर-पारंपरिक विपक्ष का नया तेवर और बदलता समीकरण है। विपक्ष अब बिखरा हुआ या रक्षात्मक मुद्रा में नहीं दिख रहा है। बांकीपुर में प्रशांत किशोर की जीत यह दशार्ती है कि जनता अब राष्ट्रीय स्तर के स्थापित गठबंधनों (जैसे राजग बनाम इंडिया ब्लॉक) से इतर नए, स्थानीय और विकास-केंद्रित विकल्पों को भी आजमाने के लिए तैयार है। मतदाताओं के सामने अब नए राजनीतिक नैरेटिव उभर रहे हैं, जिससे सत्ता विरोधी लहर को एक निश्चित दिशा मिल रही है। यह स्थिति भाजपा के लिए और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि अब वह केवल विपक्ष के बिखराव या पारंपरिक जातिगत गणित का फायदा उठाकर आसानी से चुनाव नहीं जीत सकती।

अंततः, ये उपचुनाव भाजपा के लिए कोई अंतिम पराजय नहीं हैं, बल्कि समय रहते संभलने का एक सुनहरा अवसर और अलार्म बेल हैं। आगामी महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा और आम चुनावों से पहले जनता ने पार्टी को अपनी प्रशासनिक और सांगठनिक कमियों को सुधारने का एक स्पष्ट मौका दिया है। भाजपा को अब अपनी प्राथमिकताओं को फिर से तय करना होगा। लोकलुभावन वादों और ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय आर्थिक मोर्चे पर ठोस सुधार, व्यापक रोजगार सृजन, और महंगाई पर नियंत्रण जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। संगठन के स्तर पर, केवल चुनावी प्रबंधन और बाहरी नेताओं पर निर्भर रहने के बजाय जमीन से जुड़े, वफादार और वैचारिक रूप से मजबूत कार्यकताओं को आगे लाना होगा। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि यह समय-समय पर सत्ता के अति-आत्मविश्वास को चुनौती देता है और जनता के प्रति जवाबदेही तय करता है। देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस अलार्म को कितनी गंभीरता से लेती है और अपने आत्ममंथन को किस तरह सांगठनिक एवं प्रशासनिक सुधारों में बदलती है।

विजय के बहाने तृषा पर वार, उदयनिधि की सियासत पर उठे सवाल

-संजय सक्सेना

तमिलनाडु की राजनीति इन दिनों एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां मुद्दों की बहस पीछे छूट गई है और व्यक्तिगत चरित्र हनन सामने आ गया है। तंजावुर में 3 अगस्त 2026 को कावेरी जल विवाद को लेकर डीएमके के विरोध प्रदर्शन के दौरान विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने जो टिप्पणी की, उसने पूरे राज्य को हिला दिया। भीड़ में जब ह्यतृषाङ्ख तृषाङ्खह्न के नारे लगे तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ह्लपानी यहां पहुंचे या न पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचना चाहिएङ्ख मैं कावेरी की बात कर रहा हूं।ह्व यह डबल मीनिंग वाली बात तुरंत वायरल हो गई और सोशल मीडिया पर सैकड़ों पोस्ट्स में इसे घिनौना, अशोभनीय और महिला अपमान बताया गया।कावेरी का मुद्दा कोई नया नहीं है। जून में 9.9 टीएमसी और जुलाई में 32 टीएमसी पानी मिलना था, कुल 42 टीएमसी का अधिकार था, लेकिन अगस्त की शुरूआत तक एक बूंद भी नहीं पहुंची। डेल्टा के किसान सूखे खेतों में खड़े हैं, कुरुवै फसल बर्बाद हो रही है, मेकेदातु बांध का खतरा सिर पर है। उदयनिधि ने सही मुद्दे पर बोलने की कोशिश की, लेकिन जब तृषा कृष्णन का नाम भीड़ से उठा तो उन्होंने मौके का इस्तेमाल कर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को निशाना बनाने की कोशिश की। तृषा पिछले दो दशकों से तमिल सिनेमा की सम्मानित चेहरा हैं। 2004 की घिल्ली से लेकर 2023 की लियो तक विजय के साथ उनकी जोड़ी रही है। 2025-26 में विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम द्वारा चेंगलपट्टू कोर्ट में तलाक याचिका दाखिल होने के बाद तृषा और विजय की करीबी को लेकर अटकलें तेज हुईं। तृषा ने खुद विजय के 52वें जन्मदिन पर पोस्ट कर अफवाहों को खारिज किया था, लेकिन राजनीतिक गलियारों में यह नाम बार-बार उछाला जाता रहा। यह पहली बार नहीं है जब उदयनिधि ने व्यक्तिगत हमला बोला हो। जून 2026 में विधानसभा में उन्होंने विजय पर तंज कसते हुए कहा था कि चेंगलपट्टू कोर्ट में पत्नी पति को ढूंढ रही है। पूरी तमिलनाडु इस कहानी को जानती है। उससे पहले भी उन्होंने सासकाला सहित कई महिलाओं पर टिप्पणियां की थीं। डीएमके खुद को द्रविड़ियन मॉडल और महिला सम्मान का झंडाबरदार बताती रही है, लेकिन तंजावुर वाली घटना ने इस दावे की पोल खोल दी। टीवीके महिला विंग ने तंजावुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। थाना ने बीएनएस की छह धाराओं, तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम की धारा 4 और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज की। 4 अगस्त की सुबह चेन्नई के नीलंगराई स्थित घर से पुलिस ने उदयनिधि को हिरासत में लिया। उन्हें तंजावुर ले जाया जाना था। टीवीके ने राष्ट्रीय महिला आयोग में भी याचिका दाखिल की जिसमें कहा गया कि यह टिप्पणी अश्लील, वस्तुकरण करने वाली और यौन सुझाव देने वाली थी।बीजेपी प्रवक्ता नारायणन तिरुपथी ने इसे घिनौना, अश्लील और शर्मनाक करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी भाषा कोई भी मां-बहन-बेटी वाला व्यक्ति नहीं बोल सकता। टीवीके विधायक रेवंथ चरन ने लिखा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है और डीएमके नेतृत्व राजनीतिक स्तर गिरा रहा है। फिल्म इंडस्ट्री से भी आवाजें उठीं। चिन्मयी श्रीपादा और खुशबू सुंदर जैसे नामों ने विरोध जताया। सोशल मीडिया पर हजारों यूजर्स ने पूछा कि क्या अब राजनीति सिर्फ किसी बेकसूर महिला के नाम को घसीटकर चलेगी। तृषा ने अब तक कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन उनका चुप रहना भी बहुत कुछ कहता है। एक महिला जो दशकों की मेहनत से अपनी जगह बना चुकी है, उसे सिर्फ राजनीतिक स्कोरिंग के लिए ह्यचीरहरणह्व की आग में झोंकना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

उदयनिधि के पास मौका था। भीड़ में नाम उठते ही वे मंच से साफ कह सकते थे कि किसी महिला का नाम लेकर तंज कसना गलत है। ऐसा कहने से वे सिर्फ नेता नहीं, बल्कि जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के रूप में उभरते। लेकिन उन्होंने मुस्कुराकर टिप्पणी कर दी। इससे साफ है कि जब मुद्दों पर जवाब नहीं बचता तो निजी जिंदगी का सहारा लिया जाता है। विजय की टीवीके सरकार पर रोजगार, शिक्षा, कर्ज माफी, 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे वादों के अधूरेपन के सवाल उठाने चाहिए थे। मई 2026 में ही उदयनिधि ने किसानों को ठगे जाने का आरोप लगाया था कि 5 एकड़ तक के किसानों का पूरा कर्ज माफ करने का वादा सिर्फ 50 हजार तक सीमित कर दिया गया। कावेरी पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर हुई। लेकिन तंजावुर में ये सब पीछे रह गए।तमिलनाडु की जनता समझदार है। वह जानती है कि हार-जीत चलती रहती है, लेकिन नैतिकता गिराने वाला नेता लंबे समय तक टिक नहीं पाता। अगर राजनीति का स्तर यही रहा तो अगले चुनावों में सत्ता का सपना अधूरा रह सकता है। विजय से लड़ना है तो नीतियों के मैदान में आओ। किसी महिला के सम्मान की बलि चढ़ाकर राजनीति चमकाने की सोच बंद करो। तृषा जैसी महिलाएं उद्योग की पहचान हैं, राजनीतिक हथियार नहीं। उदयनिधि की यह टिप्पणी सिर्फ उनके व्यक्तिगत चरित्र की नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति की पोल खोलती है जो द्रविड़ मॉडल का नाम लेकर महिलाओं का सम्मान करने का दावा करती है। कावेरी का पानी किसानों तक पहुंचे या न पहुंचे, लेकिन राजनीति का स्तर जरूर गिर गया है। यह घटना याद दिलाती है कि लोकतंत्र की असली परीक्षा सिद्धांतों पर होती है, व्यक्तिगत हमलों पर नहीं।

जेन जी, जेन अल्फा की रचनात्मक भूमिका ही देश के भविष्य के आधार स्तंभ

यह अत्यंत ही शुभ संकेत हैं भारत देश की जनसंख्या में युवा वर्ग का बड़ा प्रतिशत निवास कर रहा है और आने वाले दो दशकों में जेन जी और जेन अल्फा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नई दिशा प्रदान करने वाली होगी, यही युवा वर्ग देश को वैश्विक स्तर पर आगे और बहुत आगे ले जाने का महत्वपूर्ण उद्देश्य सार्थक करेगा बशर्ते ये युवा वर्ग अपनी भूमिका को राष्ट्रीय हित से जोड़कर संरचनात्मक तथा सकारात्मक रखने का पुरजोर प्रयास करें। यह भी मानवीय पहलू है कि प्रत्येक व्यक्ति सफलता, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहता है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि प्रगति मनुष्य की जन्मजात आकांक्षा होती है, किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है, अथवा सफलता का स्वरूप और उसे प्राप्त करने का मार्ग भी उतना ही महत्वपूर्ण है? निराशा मनुष्य की सबसे बड़ी शत्रु है। यह उसके आत्मविश्वास, ऊर्जा और सृजनात्मकता को भीतर ही भीतर नष्ट कर देती है। इसके विपरीत संयम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प ऐसे अस्त्र हैं, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। जिस क्षण मनुष्य किसी कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प ले लेता है और निरंतर श्रम करने का निर्णय करता है, उसी क्षण उसकी विजय का प्रथम अध्याय आरंभ हो जाता है।चरित्र यदि चला गया, तो सब कुछ चला गया। महापुरुष का यह कथन केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के दीर्घ अनुभव का निष्कर्ष है। आज का युग अभूतपूर्व अवसरों, तीव्र प्रतिस्पर्धा और त्वरित उपलब्धियों का युग है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।यह केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग कभी सरल नहीं होता। संघर्ष, असफलता, उपहास और विपरीत परिस्थितियाँ हर सफल व्यक्ति की यात्रा का अनिवार्य हिस्सा रही हैं। संसार में कोई भी महान व्यक्तित्व ऐसा नहीं हुआ, जिसने बिना कठिन परिश्रम और मानसिक दृढ़ता के सफलता प्राप्त की हो।

आज हम जिन लोगों को महान, विलक्षण या सेलिब्रिटी के रूप में देखते हैं, उनकी उपलब्धियों के पीछे वर्षों का अनुशासित जीवन, असंख्य

संजीव ठाकुर

असफलताएँ और निरंतर आत्मसंघर्ष छिपा होता है। सफलता का कोई छोटा मार्ग नहीं होता। तात्कालिक लाभ मिल सकता है, किंतु स्थायी सफलता केवल वही अर्जित करता है, जो अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है परंतु सफलता तभी तक सुंदर है, जब तक उसके साथ नैतिकता और मानवीय मूल्य जुड़े रहें। यदि सफलता की कीमत सत्य, ईमानदारी, करुणा और न्याय को छोड़कर चुकाई जाए, तो वह उपलब्धि अंततः समाज के लिए अभिशाप बन जाती है। इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहाँ असाधारण प्रतिभा ने मानवता का कल्याण भी किया और विनाश भी। एक वैज्ञानिक अपनी प्रतिभा से जीवनरक्षक औषधि भी बना सकता है और विनाशकारी जैविक अथवा रासायनिक हथियार भी। अंतर केवल उसके नैतिक दृष्टिकोण का होता है।

महात्मा गांधी का यह कथन आज भी मार्गदर्शक है साधन जितने पवित्र होंगे, साध्य भी उतना ही पवित्र होगा,यदि साधन ही दूषित हों, तो सफलता चाहे कितनी भी बड़ी दिखाई दे, वह स्थायी नहीं हो सकती।

भारतीय संस्कृति ने सदैव चरित्र और मूल्यों को धन, पद और प्रसिद्धि से ऊपर स्थान दिया है। संत कबीर ने बाहरी आडंबर से अधिक अंतःकरण की पवित्रता पर बल दिया। संत रैदास ने समता का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने चरित्र को मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी बताया। महात्मा बुद्ध ने करुणा और आत्मसंयम को जीवन का आधार माना। ने मानवता को राष्ट्रवाद से भी व्यापक दृष्टि प्रदान की, जबकि ने राष्ट्रहित के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। इन सभी महापुरुषों की सफलता का मूल आधार केवल प्रतिभा नहीं, बल्कि मूल्यनिष्ठ जीवन था। दुर्भाग्य से आज समाज का एक बड़ा वर्ग तात्कालिक सफलता और उपभोग की संस्कृति से प्रभावित है। लोग शीघ्र प्रसिद्धि पाने के लिए सत्य, ईमानदारी और नैतिकता से समझौता करने लगे हैं। यह प्रवृत्ति व्यक्ति को कुछ समय के लिए चमका सकती है, किंतु इतिहास में उसका स्थान सुनिश्चित नहीं कर सकती। पानी का बुलबुला क्षणभर चमकता है, पर नदी बनने के लिए निरंतर प्रवाह, गहराई और धैर्य चाहिए। ठीक उसी प्रकार मूल्यहीन सफलता क्षणिक होती है, जबकि सिद्धांतों पर आधारित सफलता पीढ़ियों तक प्रेरणा बनती है। राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में तो नैतिक मूल्यों की आवश्यकता और भी अधिक है। जब नेतृत्व ईमानदार, संवेदनशील और उत्तरदायी होता है, तभी समाज में विश्वास, न्याय और विकास का वातावरण बनता है। यदि नेतृत्व ही मूल्यहीन हो जाए, तो राष्ट्र की संस्थाएँ कमजोर पड़ने लगती हैं और समाज दिशाहीन होने लगता है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था सपने वे नहीं जो सोते समय आते हैं, सपने वे हैं जो आपको सोने नहीं देते, किंतु उन सपनों को साकार करने के लिए चरित्र, अनुशासन और नैतिकता की नींव आवश्यक है। केवल महत्वाकांक्षा पर्याप्त नहीं, उसके साथ उत्तरदायित्व भी होना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों और युवाओं को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि उन्हें अच्छा मनुष्य बनने की प्रेरणा भी दें। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक और संवेदनशील व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। यदि सफलता में मानवीय मूल्य, सत्य, करुणा, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित का समावेश होगा, तभी वह चिरस्थायी होगी।

सफलता का वास्तविक अर्थ केवल ऊँचे पद, अधिक धन या प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं है। सच्ची सफलता वह है, जो व्यक्ति के चरित्र को ऊँचा उठाए, समाज को दिशा दे और मानवता के कल्याण का कारण बने। निराशा को त्यागकर, संकल्प को अपनाकर, कठोर परिश्रम को जीवन का मंत्र बनाकर और मूल्यों को अपना पथप्रदर्शक बनाकर ही मनुष्य ऐसी सफलता अर्जित कर सकता है, जो समय की कसौटी पर भी अमर बनी रहती है।

संवेदनाओं का सूखा: आधुनिक समाज की सबसे बड़ी त्रासदी

आज विज्ञान अपनी ऊँचाइयों पर है, तकनीक ने पूरी दुनिया को एक छोटे से मोबाइल की स्क्रीन में समेट दिया है, भौतिक सुख-सुविधाओं की भरमार है, लेकिन यदि किसी चीज का सबसे अधिक अकाल पड़ा है, तो वह है मानवीय संवेदनाओं का। यही संवेदनाओं का सूखा आज समाज की सबसे बड़ी त्रासदी बन चुका है। एक समय था जब किसी घर में दुःख आता था तो पूरा मोहल्ला उसके आँसू पोंछने पहुँच जाता था। आज किसी के जीवन की सबसे बड़ी पीड़ा भी सोशल मीडिया की एक पोस्ट बनकर रह जाती है। लोग ?दुःख है? लिखकर आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन किसी के दरवाजे तक पहुँचने का समय नहीं निकाल पाते। रिश्ते अब आत्मीयता से नहीं, औपचारिकता से निभाए जाने लगे हैं। आज सड़क पर कोई घायल पड़ा हो, तो सहायता करने वालों से अधिक लोग उसका वीडियो बनाने वाले मिल जाते हैं। किसी किसान की आत्महत्या, किसी मजदूर की

-विक्रम दयाल

भूख, किसी बेटी की चीख, किसी वृद्ध की विवशता—ये सब घटनाएँ समाचार बनकर रह जाती हैं, समाज की अंतरात्मा को झकझोर नहीं पातीं। यही संवेदनहीनता एक सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यह सूखा केवल समाज में ही नहीं, परिवारों में भी प्रवेश कर चुका है। माता-पिता बच्चों के साथ बैठकर बात करने के बजाय मोबाइल में व्यस्त हैं, और बच्चे दादा-दादी की कहानियों के बजाय इंटरनेट की दुनिया में खोए हुए हैं। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी होना चाहिए। यदि विद्यालय और विश्वविद्यालय संवेदनशील नागरिक तैयार नहीं कर पा रहे, तो शिक्षा अधूरी है। समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनके भीतर केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि करुणा भी हो। सरकारें योजनाएँ बना सकती हैं, कानून बना सकती हैं, लेकिन मनुष्य के भीतर मानवता का दीपक केवल संस्कार, परिवार और समाज ही जला सकते हैं। यदि हम अपने बच्चों को दूसरों के दुःख में सहभागी होना नहीं सिखाएँगे, तो आने वाला समय और भी अधिक कठोर और निष्ठुर होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर झाँकें। किसी जरूरतमंद की सहायता करें, बुजुर्गों का सम्मान करें, प्रकृति से प्रेम करें, पीड़ित के आँसू पोंछें और अपने व्यवहार में करुणा को स्थान दें। यही छोटे-छोटे प्रयास संवेदनाओं की सूखी धरती पर मानवता की हरियाली लौटा सकते हैं। अंततः, किसी भी राष्ट्र की महानता केवल उसकी आर्थिक प्रगति या ऊँची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वहाँ रहने वाले लोगों के हृदय कितने संवेदनशील हैं। यदि मनुष्य के भीतर की करुणा मर गई, तो सारी उपलब्धियाँ अर्थहीन हो जाएँगी। इसलिए समय की सबसे बड़ी पुकार है—तकनीक का विकास हो, लेकिन मानवता का ह्रास न हो; प्रगति की गति बढ़े, पर संवेदनाओं का स्रोत कभी न सूखे। यही एक सशक्त, सभ्य और मानवीय भारत की आधारशिला है।

राहनाल में गड्ढे के कारण महिला की मौत के बाद ढहऊके खिलाफ भड़का आक्रोश, मरम्मत कार्य जल्दी नहीं करने पर होगा आंदोलन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी-ठाणे मार्ग पर राहनाल के पास रविवार (2 अगस्त) को सड़क के गड्ढे के कारण हुए भीषण हादसे में एक महिला की कंटेनर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। इस घटना के बाद अंजूरफाटा-कशेळी मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी है। राहनाल ग्राम पंचायत के सरपंच प्रताप पाटिल ने सड़क की दुर्दशा के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया कि अंजूरफाटा से कशेळी के बीच सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों की मरम्मत के लिए ग्राम पंचायत की ओर से कई बार सार्वजनिक निर्माण विभाग को पत्र देकर जानकारी दी गई और गड्ढे भरने की मांग की गई, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सरपंच पाटिल ने कहा कि सड़क की खराब हालत के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है, जबकि अनेक वाहन चालक घायल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि ग्राम पंचायत के पत्राचार के बाद समय रहते गड्ढे भर दिए जाते तो राहनाल में हुई महिला की दर्दनाक मौत को टाला जा सकता था। उन्होंने प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत कर गड्ढे भरने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो अंजूरफाटा-कशेळी परिसर की विभिन्न ग्राम पंचायतों के नागरिकों को साथ लेकर सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शहर की बदहाल सड़कों पर विधायक नरेंद्र मेहता का सरकार पर हमला

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। शहर की सड़कों पर बढ़ते गड्ढों, फाउंटेन से गायमुख राज्य महामार्ग के रखरखाव एवं मरम्मत की जिम्मेदारी, मीरा-भायंदर महानगरपालिका के 500 करोड़ रुपये के लोन प्रस्ताव को राज्य शासन से अब तक मंजूरी नहीं मिलने तथा परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा लगाए गए आरोपों के संदर्भ में विधायक नरेंद्र मेहता ने पत्रकार परिषद का आयोजन किया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक नरेंद्र मेहता ने मंत्री प्रताप सरनाईक पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फाउंटेन से गायमुख तक का मार्ग राज्य सरकार के अधीन राज्य महामार्ग है, इसलिए उसके रखरखाव और मरम्मत की पूरी जिम्मेदारी भी राज्य शासन की है। इस संबंध में महानगरपालिका पर आरोप लगाना उचित नहीं है। विधायक मेहता ने राज्य सरकार से मांग की कि मीरा-भायंदर महानगरपालिका के 500 करोड़ रुपये के लोन प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी दी जाए, ताकि शहर की आंतरिक सीमेंट-कंक्रीट सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में तेजी लाई जा सके और नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि शहर की जर्जर सड़कों और लंबित मंजूरियों के मुद्दे पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से 10 अगस्त को प्रातः 11 बजे फाउंटेन होटल के समीप 'रास्ता रोको' आंदोलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की। इस अवसर पर मीरा-भायंदर की महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता, उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटिल तथा स्थायी समिति के सभापति हसमुख गहलोत सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सैमसंग ने लॉन्च किया 30 महीने का नो-कॉस्ट ईएमआई प्लान

मुंबई। सैमसंग ने गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फ्लिप8 के लिए 30 महीने के नो-कॉस्ट ईएमआई ऑप्शन लॉन्च करके प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदने के तरीके को नया रूप दिया है, जिससे सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक अब पहले से कहीं आसानी से लोगों तक पहुंच सकेगी। हर महीने की किस्त का बोझ कम करने के मकसद से बनाई गई इस नई फाइनेंसिंग सुविधा से ज्यादा से ज्यादा ग्राहक बिना किसी डाउन पेमेंट के गैलेक्सी एआई से लैस सैमसंग की नई गैलेक्सी Z सीरीज का अनुभव ले सकेंगे। सैमसंग की नई गैलेक्सी Z सीरीज फोल्डेबल तकनीक की सात पीढ़ियों के अनुभव और ग्राहकों से मिले फीडबैक पर बनी है, और अब तक का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल अनुभव देती है। इसमें खास तौर पर बनाया गया गैलेक्सी एआई, हिंज डिजाइन, डिस्प्ले, मजबूती और परफॉर्मेंस से जुड़ी नई इंजीनियरिंग एक साथ मिलती है। यह नई फाइनेंसिंग सुविधा सिर्फ डिवाइस तक सीमित नहीं है, बल्कि सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक को खरीदना भी उतना ही आसान बना रही है।

अब ग्राहक गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा को सिर्फ 6,667 रुपये प्रति महीने से खरीद सकते हैं, जो पिछली पीढ़ी के गैलेक्सी Z फोल्ड7 के मुकाबले 9% कम मासिक ईएमआई है। गैलेक्सी Z फोल्ड8 सिर्फ 6,000 रुपये प्रति महीने से उपलब्ध है, जबकि गैलेक्सी फ्लिप8 सिर्फ 4,167 रुपये प्रति महीने से शुरू होता है, जिससे नई और शानदार फोल्डेबल तकनीक अब और ज्यादा लोगों की पहुंच में आ गई है। यह 30 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई सुविधा सैमसंग फाइनेंस+ (डीएमआई फाइनेंस द्वारा संचालित), टीवीएस क्रेडिट, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पूनावाला फिनकॉर्प के जरिए उपलब्ध है।

मूल्य-आधारित नेतृत्व से ही बनेगा सतत भविष्य : बी.के. शिवानी बहन

विराज प्रोफाइल्स के ' इंद्रधनुष ' कार्यक्रम में उद्योग जगत, जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों की रही उपस्थिति

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विराज प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सोमवार, 3 अगस्त 2026 को शाम 5 से 7 बजे तक बोईसर शहर के समीप ग्राम पंचायत कुरगांव स्थित विराज इंटरनेशनल स्कूल में ₹ इंद्रधनुष ₹ कार्यक्रम के अंतर्गत ₹ सतत भविष्य के लिए मूल्य-आधारित नेतृत्व ₹ विषय पर ब्रह्मकुमारीज की प्रसिद्ध आध्यात्मिक वक्ता बी.के. शिवानी बहन का प्रेरणादायी सत्र आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विराज प्रोफाइल्स के सीएमडी नीरज राजा कोचर तथा एमडी राजेश चौहान ने बी.के. शिवानी बहन का स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। अपने प्रेरक संबोधन में बीके शिवानी बहन ने कहा कि आज के बदलते दौर में नेतृत्व केवल निर्णय लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि ईमानदारी, आत्म-जागरूकता, नैतिक मूल्यों और उत्तरदायित्व के साथ समाज एवं संस्थानों का मार्गदर्शन करना ही सच्चा नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को सबसे पहले स्वयं को प्रशिक्षित करना चाहिए। क्रोध पर नियंत्रण रखना, सकारात्मक सोच बनाये रखना, मन की स्थिति को

मजबूत रखना तथा हर परिस्थिति में अपने विचारों को ऊँचा बनाये रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की सोच का प्रभाव पूरे परिवार और कार्यस्थल पर पड़ता है तथा जैसा कर्म किया जाता है, वैसा ही प्रतिफल प्राप्त होता है। बीके शिवानी बहन ने सुख, शांति, विश्वास, समृद्धि, आत्म-अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण और मूल्य-आधारित जीवनशैली को व्यक्तिगत एवं संगठनात्मक सफलता की आधारशिला बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तेजी से बदलती तकनीक के इस युग में भी नैतिक मूल्य ही किसी संस्था की सबसे बड़ी ताकत हैं। जो संगठन उद्देश्य, विश्वास और मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हैं, वही दीर्घकालिक सफलता और समाज का विश्वास अर्जित करते हैं।

विराज प्रोफाइल्स प्राइवेट लिमिटेड ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि कंपनी का विश्वास मजबूत नैतिक मूल्यों, जिम्मेदार नेतृत्व और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान में है। इसी सोच को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस विशेष नेतृत्व सत्र का आयोजन किया गया, ताकि मूल्य-आधारित नेतृत्व के माध्यम से सतत विकास और सशक्त संगठन निर्माण की दिशा में प्रेरणा मिल सके। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन नम्रता दीदी ने किया। इस अवसर पर विराज प्रोफाइल्स के सीएमडी नीरज राजा कोचर तथा एमडी राजेश चौहान, पालघर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र गावित, विराज प्रोफाइल्स के दीपक भावे, सुरेश लोढ़ा, विवेक चौहान सहित कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं पर फेवीक्विक फेंककर घायल करने वाला आरोपी नवघर पुलिस के हत्थे चढ़ा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर (पूर्व) के साईबाबा नगर निवासी रामनिवास नामक व्यक्ति को महिलाओं पर फेवीक्विक फेंककर उन्हें घायल करने के आरोप में नवघर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी महिलाओं को निशाना बनाकर उन पर फेवीक्विक फेंकता था, जिससे वे घायल हो जाती थीं। इस घटना से क्षेत्र की महिलाओं में भय और आक्रोश का माहौल था। शिकायत मिलने के बाद नवघर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तकनीकी एवं स्थानीय जानकारी के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घाटकोपर स्थित बीएमसी स्कूल के मध्याह्न भोजन का चिकित्सा अधीक्षक ने किया निरीक्षण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जुलाई को घाटकोपर स्थित बीएमसी स्कूल के मध्याह्न भोजन में कांच के छोटे टुकड़े मिलने की खबर सामने आने के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका के खाद्य सुरक्षा विभाग ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित स्कूल का दौरा किया तथा मध्याह्न भोजन की तैयारी, गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने स्कूल के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भोजन परोसने से पहले स्वयं भोजन का स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच की। इसके साथ ही रसोईघर की स्वच्छता, भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, खाद्य सामग्री के भंडारण, उपयोग की जा

रही सामग्री की गुणवत्ता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं, इसकी भी बारीकी से जांच की गई। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विश्वास कायम रहे तथा मध्याह्न भोजन सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण होने का भरोसा दिलाने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें स्वच्छता, पौष्टिक आहार और खाद्य सुरक्षा के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। उप आयुक्त संतोषकुमार धोंडे तथा सहायक आयुक्त जयदीप मोरे के मार्गदर्शन में चिकित्सा अधीक्षक रवींद्र हांगे और खाद्य सुरक्षा निरीक्षक संदीप भरणकर ने घाटकोपर स्थित बीएमसी स्कूल का दौरा कर विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले मध्याह्न भोजन का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई। साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छ आदतें अपनाने, सुरक्षित भोजन ग्रहण करने और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

सातपाटी में समुद्री आपदा से बेघर परिवार को मिला सहारा, कुंदन संखे ने पीड़ित को दी सहायता राशि

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के सातपाटी गांव में समुद्र की ऊंची लहरों और लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण मछुआरा परिवार की जया माच्छी का आशियाना पूरी तरह से तबाह हो गया था। घर उजड़ने के बाद परिवार के सामने रहने और नये सिरे से जीवन शुरू करने का संकट खड़ा हो गया था।

पीड़ित परिवार की स्थिति की जानकारी मिलने पर गांव के नागरिकों ने शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे से संपर्क किया। उन्होंने तत्काल परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया और अपने वादे को निभाते हुए जया माच्छी के नये घर के निर्माण के लिए 57 हजार

रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इतना ही नहीं, वे स्वयं सातपाटी पहुंचकर सहायता राशि परिवार को सौंपी तथा नये घर के लिए एक एलईडी टीवी भी भेंट किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में की गई इस सहायता से परिवार को नया आशियाना बनाने में बड़ी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि आपदा की घड़ी में मिली यह मदद पीड़ित परिवार के लिए संबल साबित होगी।इस अवसर पर शिवसेना की उपनेता ज्योति मेहेर, सातपाटी के पूर्व सरपंच अरविंद पाटील, शिवसेना के सातपाटी शाखा प्रमुख हिलेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शिव काँवड़ यात्रा संघ यादव नगर द्वारा 15वीं भव्य शिव काँवड़ यात्रा आयोजित

शिवभक्तों ने भगवान शिव का किया जलाभिषेक

पालघर (उत्तरशक्ति)। पवित्र सावन माह के प्रथम सोमवार को बोईसर पूर्व स्थित यादव नगर में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। शिव काँवड़ यात्रा संघ यादव नगर द्वारा आयोजित 15वीं भव्य शिव काँवड़ यात्रा में सैकड़ों शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोषों के बीच श्रद्धालु सूर्य नदी से पवित्र जल लेकर पदयात्रा करते हुए यादव नगर (शास्त्री नगर) स्थित शिव मंदिर पहुंचे, जहां भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया। शिव मंदिर, शास्त्री नगर से सूर्या नदी में जल भरने हेतु शिवभक्तों को विदा करने के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक वडे व प्रशांत संखे, बोईसर ग्राम पंचायत उपसरपंच नीलम संखे, हिन्दू जनजागृति संस्था के अमित सिंह बाबू, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह, सागर आवटे,मुकेश गिरी,सचिन तिवारी,मान सिंह,रवि महतो सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी पंडित अरुण तिवारी (करिया बाबा) ने सभी अतिथियों का शॉल एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया।

सूर्या नदी से कांवर यात्रा का शुभारंभ बोईसर पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (ASI) धवलु किसन मोंढे के हाथों नारियल

फोड़कर किया गया। काँवड़ यात्रा के दौरान डीजे, भगवा ध्वज और शिवभक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। पूरे मार्ग में हिंदू जनजागृति संस्था व अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा काँवड़ यात्रियों के लिए फल, जलपान तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। शिव मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा देश, समाज और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। कांवर यात्रा का सफल आयोजन मंदिर के पुजारी एवं काँवड़ यात्रा के संचालक मायाशंकर शुक्ल, अध्यक्ष चन्द्रबली यादव, जयकुमार पटवा, ऋषिकेश पाण्डेय, रुपेश चौहान, अशोक यादव, मनीष यादव,सोना सेठ, सुनील प्रजापति, कमलेश यादव, रामाश्रय यादव, विनोद मिश्रा, विनोद मौर्य, हरिकेश यादव, कमलेश गुप्ता, पप्पू यादव, सूरज प्रजापति, संतोष मौर्य, अमरजीत सिंह, संदीप गुप्ता, विनोद यादव, राकेश सोनी, प्रेम पाल तथा महिला कार्यकताओं सुमन दुबे, रीता सिंह, रीना चौहान, ललिता गुप्ता और लक्ष्मी पटवा सहित समस्त ग्रामीणों के सहयोग से संपन्न हुआ। यात्रा की व्यवस्था एवं संचालन में शिव काँवड़ यात्रा संघ यादव नगर के अध्यक्ष चंदबली यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष जयकुमार पटवा ने उपस्थित अतिथियों, प्रशासन, पत्रकारों व सभी शिवभक्त काँवड़ यात्रियों का आभार व्यक्त किया।

सूर्या जलापूर्ति परियोजना में तेजी लाने पर जोर, महापौर व आयुक्त ने की प्रगति की समीक्षा

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका में मंगलवार, 4 अगस्त 2026 को सूर्या क्षेत्रीय जलापूर्ति परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता महापौर श्रीमती डिंपल विनोद मेहता एवं महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.प्र.से.) ने की। बैठक के दौरान परियोजना के विभिन्न चरणों में चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अब तक पूर्ण किए गए कार्यों, प्रगति पर चल रहे कार्यों तथा शेष कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। परियोजना की गति तेज करने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर एवं आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी की जाए तथा सभी कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं, ताकि भविष्य में मीरा-भायंदर के नागरिकों को पर्याप्त, नियमित, सुरक्षित एवं टिकाऊ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बैठक में जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक उपायों एवं योजनाओं पर भी विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, स्थायी समिति के सभापति हसमुख गहलोत, सभागृह नेता रवि व्यास, शहर अभियंता दीपक खांबित, कार्यकारी अभियंता शरद नानेगांवकर सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगरसेवक निलेश चौधरी का प्लास्टिक थैलियों पर कार्रवाई के नाम पर वसूली का आरोप, ठेकेदार का ठेका रद्द करने की मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका क्षेत्र में प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले ठेकेदार पर कथित रूप से मनमानी और अवैध वसूली करने का आरोप लगा है। स्थानीय नगरसेवक निलेश चौधरी ने महापौर नारायण चौधरी और मनपा आयुक्त अनमोल सागर को पत्र देकर संबंधित ठेकेदार का ठेका तत्काल रद्द करने की मांग की है। मनपा ने पर्यावरण के लिए घातक प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर कार्रवाई के लिए रेहान इंटरप्राइजेस को ठेका दिया है। नगरसेवक निलेश चौधरी का आरोप है कि ठेकेदार के कर्मचारी दुकानदारों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार और दबाव बनाकर कार्रवाई कर रहे हैं। कई व्यापारियों से कथित रूप से हजारों रुपये लेने के बाद कम राशि की रसीद देने का आरोप भी लगाया गया है। इससे मनपा के राजस्व

को नुकसान होने का दावा नगरसेवक ने किया है। चौधरी के अनुसार, व्यापारियों ने ठेकेदार के कर्मचारियों पर दुकान में घुसकर दबाव बनाने, गल्ले से पैसे निकालने, मारपीट तथा धमकी देने जैसी शिकायतें की हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित ठेकेदार को कुछ मनपा अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। यदि एक महीने के भीतर ठेका रद्द नहीं किया गया तो व्यापारियों के साथ मनपा के सामने उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी उन्होंने दी है। निलेश चौधरी ने कहा कि 50 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक थैलियों पर नियमानुसार कार्रवाई जरूर होनी चाहिए, लेकिन ऐसी प्लास्टिक थैलियों का उत्पादन करने वाली कंपनियों पर भी पर्यावरण विभाग और मनपा प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानक से अधिक मोटाई वाली प्लास्टिक थैलियों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई की भी जांच होनी चाहिए।उन्होंने मांग की कि ठेकेदार का ठेका रद्द कर पालिका के कर्मचारियों के माध्यम से नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि वसूली की पूरी राशि मनपा की तिजोरी में जमा हो और मनपा को आर्थिक लाभ हो।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सोनभद्र में पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार, 62 लाख से अधिक के लूटे गए आभूषण बरामद

सर्राफा व्यापारी से हुई सनसनीखेज लूट का खुलासा, बभनी-दुद्धी-म्योरपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सोनभद्र पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना बभनी पुलिस, एसओजी, थाना दुद्धी और थाना म्योरपुर की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड़ में ?25 हजार के इनामी शातिर लुटेरे पंकज साह को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सरार्फा व्यापारी से लूटे गए रु.62 लाख 22 हजार 500 रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, लूट का बैग, अवैध तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की है। वहीं घटना में शामिल एक अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई 2026 को थाना बभनी क्षेत्र के शीशटोला जंगल के पास सरार्फा व्यापारी कुलधीर कुमार को बाइक सवार बदमाशों ने रोककर चाकू के बल पर आभूषण और नकदी से भरा बैग लूट लिया था। घटना के बाद पुलिस ने विशेष टीमों का गठन कर बदमाशों की तलाश शुरू की थी।

मुखबिर की सूचना पर सोमवार तड़के अरझट पुलिया के पास पुलिस ने घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। इस दौरान संदिग्ध बाइक सवार बदमाश पुलिस को देखकर भागने लगे और झाड़ियों में छिपकर फायरिंग करने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पंकज साह के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर जंगल से लूट का पूरा माल बरामद किया गया।

बरामद सामान में 12.500 किलोग्राम चांदी के आभूषण और 225 ग्राम सोने के आभूषण सहित अन्य सामान शामिल है। इसके अलावा पुलिस ने आर्टिफिशियल ज्वेलरी, बिल-पर्चियां, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, सोनारी उपकरण, नकदी, अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति करें जागरूक: प्रो.आर.बी. कमल

मेडिकल कॉलेज में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में मंगलवार को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम ₹विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा₹ रही, जिसमें युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) ए.ए. जाफरी के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान तंबाकू निषेध के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार और मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद वर्मा सहित कई विशेषज्ञों ने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी।

प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने कहा कि नशा एक धीमा जहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान केवल स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का जन-आंदोलन है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में स्वस्थ और नशामुक्त युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि नशे की लत से शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की नशे की समस्या होने पर समय रहते मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन एवं मनोचिकित्सा विभाग से परामर्श लेने की अपील की। मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद वर्मा ने बताया कि नशा मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक जीवन और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। वहीं, सीनियर रेजिडेंट डॉ. ज्योति प्रकाश ने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार के सहयोग और चिकित्सकीय मार्गदर्शन से नशे की लत से पूरी तरह छुटकारा पाया जा सकता है।

कार्यक्रम में नोडल टोबैको सेसेशन सेंटर के डॉ. अनिल कुमार सहित मेडिकल कॉलेज के कई चिकित्सक, कर्मचारी, मरीज एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

भगत सिंह की प्रतिमा 24 घंटे में पुनर्स्थापित न होने पर बार एसोसिएशन ने आंदोलन की चेतावनी

जितेन्द्र कनोजिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता सुरेश कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को अधिवक्ताओं ने सरायबीरू चौराहे पर पहुंचकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की क्षतिग्रस्त प्रतिमा का निरीक्षण किया और प्रशासन के प्रति कड़ा विरोध जताया।

अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि यदि 24 घंटे के भीतर भगत सिंह की प्रतिमा को पूर्ण सम्मान के साथ पुनः स्थापित नहीं किया गया तो तहसील बार एसोसिएशन लोकतांत्रिक एवं विधिसम्मत तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों की होगी।

पूर्व अध्यक्ष नमः नाथ शर्मा ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह का सम्मान प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है और उनकी प्रतिमा को तत्काल पुनः स्थापित किया जाना चाहिए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष यादव ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर प्रतिमा को सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित कराने की मांग की।

एडवोकेट अनिल सोनकर गांगुली ने कहा कि यदि किसी अन्य महापुरुष की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हुई होती तो संभवतः प्रशासन तत्काल नई प्रतिमा स्थापित कर देता। उन्होंने कहा कि भगत सिंह की प्रतिमा का अब तक पुनर्स्थापित न होना प्रशासन की गंभीर उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने बिना किसी विलंब के प्रतिमा

को सम्मानपूर्वक पुनः स्थापित करने की मांग की।

इस दौरान प्रभाकर प्रजापति एडवोकेट, रविंद्र कुमार एडवोकेट, संजय विश्वकर्मा एडवोकेट, सुभाष यादव (फौजी), दिलीप सोनकर सहित अनेक अधिवक्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि नगर पंचायत केराकत के सरायबीरू चौराहे पर स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा 3 अगस्त 2026 की रात लगभग 2 बजे एक अनियंत्रित आर्टिगा कार की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गई थी। बार एसोसिएशन का कहना है कि घटना को 32 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद प्रतिमा का पुनर्स्थापन नहीं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

बार एसोसिएशन ने जिला प्रशासन, नगर पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि प्रतिमा को तत्काल पूर्ण सम्मान के साथ पुनः स्थापित कराया जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सरायपोख्ता पुलिस चौकी से चंद कदम दूर नाले में मिला शव, इलाके में फैली सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के सरायपोख्ता पुलिस चौकी के पास मंगलवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस चौकी से करीब 100 कदम की दूरी पर नाले में शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

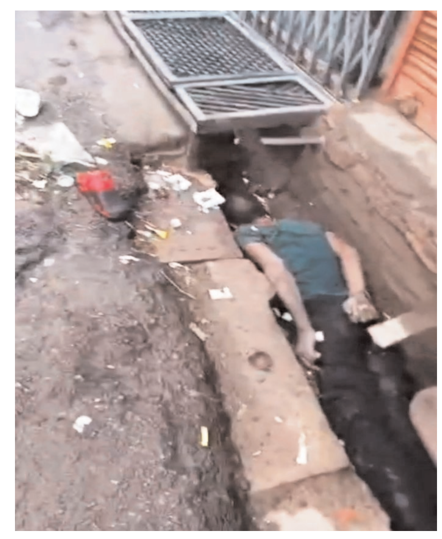

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। साथ ही मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आर्थिक आंकड़ों की शुद्धता और समयबद्धता पर जोर

जिलाधिकारी ने जिला ओटीडी सेल की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला ओटीडी (OTD) सेल की प्रथम त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सकल जिला घरेलू उत्पाद (GDP) से संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे आंकड़ों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कृषि, उद्योग, व्यापार, पर्यटन, परिवहन, ऊर्जा, निर्माण, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं सहित सभी आर्थिक गतिविधियों से जुड़े विभागों को निर्धारित प्रारूप में समयबद्ध एवं प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद के आर्थिक विकास का सही आकलन तभी संभव है, जब सभी विभाग पारदर्शिता, शुद्धता और समयबद्धता के साथ डेटा उपलब्ध कराएं।

बैठक में प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान एवं वानिकी विभाग की प्रगति की समीक्षा की गई। खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, गन्ना, फल, सब्जी, मसाला, पुष्प उत्पादन के साथ-साथ दुग्ध, मांस, अंडा, मत्स्य एवं टिम्बर उत्पादन से संबंधित आंकड़ों का भी परीक्षण किया गया।

द्वितीयक क्षेत्र की समीक्षा के दौरान उद्योग, श्रम, विद्युत, जलापूर्ति एवं निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। एमएसएमई, जीएसटी संग्रह, औद्योगिक इकाइयों तथा स्थानीय निकायों के राजस्व संबंधी आंकड़ों को अद्यतन एवं प्रमाणिक बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

वहीं, तृतीयक क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन, होटल, परिवहन, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, पंजीकृत वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, जीएसटी संग्रह, पर्यटकों की संख्या, बस परमिट, वाणिज्यिक वाहनों तथा बैंक ऋण एवं जमा राशि सहित विभिन्न आर्थिक संकेतकों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इन आंकड़ों के आधार पर जनपद की आर्थिक गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाता है, इसलिए सभी विभाग नियमित सत्यापन के बाद समय से सूचनाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने भविष्य की विकास योजनाओं के लिए आर्थिक संकेतकों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने तथा डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बेसमेंट निर्माण से बढ़ी परेशानी

जलभराव के चलते मकान पर मंडराया खतरा, फायर ब्रिगेड ने निकाला पानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के उमरपुर रुहट्टा क्षेत्र में बेसमेंट निर्माण के चलते बारिश के बाद जलभराव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई। कल्याण ज्वेलर्स के बगल स्थित एक प्लॉट में बनाए जा रहे बेसमेंट में भारी मात्रा में पानी भर गया, जिससे आसपास के मकानों को खतरा उत्पन्न हो गया।

बताया जा रहा है कि पानी एक समीप स्थित मकान की नींव तक पहुंच गया, जिससे मकान मालिक और स्थानीय लोगों में चिंता फैल गई। जलभराव की स्थिति को देखते हुए मकान मालिक प्रांजल शुक्ला ने देर रात करीब 12:30 बजे आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दी।

सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाई-पावर पंप की मदद से बेसमेंट में भरे पानी को बाहर निकालने का काम शुरू किया। फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़े हादसे को टालने का प्रयास किया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में जलभराव और मकानों को होने वाले नुकसान जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

प्रयागराज में सनसनीखेज वारदात

एक कमरे में मिले पति-पत्नी समेत तीन शव, इलाके में मचा हड़कंप

मूक-बधिर थे तीनों मृतक, पुलिस ने शुरू की जांच; फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। पुराने शहर के शाहगंज थाना क्षेत्र के गढ़ी कला मोहल्ले में मंगलवार को ट्रिपल मर्डर की घटना से सनसनी फैल गई। एक किराए के कमरे में पति-पत्नी समेत तीन लोगों के शव खून से लथपथ हालत में मिले। बताया जा रहा है कि तीनों मृतक बोल और सुन नहीं सकते थे।

घटना की जानकारी पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस को दी गई, जिसके बाद शाहगंज थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार मृतक दंपति पिछले करीब छह महीने से गढ़ी कला मोहल्ले में किराए के कमरे में रह रहे थे और कबाड़ बीनने का काम करते थे। मंगलवार सुबह कमरे का दरवाजा खुला मिलने और काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो तीनों के शव पड़े थे।

मकान मालकिन सुशीला देवी ने बताया कि सोमवार को एक महिला उनसे मिलने आई थी, लेकिन वह उसे पहचान नहीं सकीं और परिवार की सदस्य समझकर ज्यादा पूछताछ नहीं की।

पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर उच्चाधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया सभी मृतकों के मूक-बधिर होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस आपसी विवाद समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतकों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

देर रात गरज-चमक के साथ हुई झमाझम बारिश, किसानों को मिली राहत; तेज बारिश का अलर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में सोमवार देर रात मौसम ने करवट ली और मछलीशहर तहसील क्षेत्र सहित कई इलाकों में गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश हुई। बारिश से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली, वहीं तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

शाम से ही रुक-रुक कर बूंदाबांदी का दौर जारी था, लेकिन देर रात तेज बारिश ने मौसम खुशनुमा कर दिया। हालांकि तेज बारिश के कारण कई स्थानों पर सड़कों और गलियों में जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली।

बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। धान की खेती के लिए यह बारिश काफी लाभदायक मानी जा रही है। बामी गांव के किसान रवीन्द्र सिंह ने बताया कि जिन किसानों की धान की रोपाई अभी बाकी थी, उन्हें अब राहत मिलेगी और वे जल्द ही रोपाई पूरी कर सकेंगे। वहीं जिन किसानों की रोपाई हो चुकी है, वे अब खेतों में उर्वरक डालने की तैयारी करेंगे। किसान शेर बहादुर सिंह ने बताया कि बारिश से खेतों में नमी बढ़ेगी और जलस्तर को भी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मौसम विभाग ने मंगलवार को जौनपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार सुबह से ही जिले के कुछ हिस्सों में बारिश का सिलसिला फिर शुरू हो गया। गौरतलब है कि पिछले डेढ़ महीने में जौनपुर में औसत से कम बारिश दर्ज की गई थी, ऐसे में यह बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है।

अनुशासन से निखरता है श्रेष्ठ व्यक्तित्व: कुलपति प्रो.वंदना सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि संस्थान में तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ, साइबर सुरक्षा और हैप्पीनेस पर विशेष सत्र आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह सहित अन्य अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि अनुशासन विद्यार्थी जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। अनुशासित विद्यार्थी ही अपने ज्ञान, व्यक्तित्व और चरित्र का विकास कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करते हुए अध्ययन, शोध, खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

कुलपति ने कहा कि विधि शिक्षा केवल कानून पढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों को न्याय, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने की प्रक्रिया है।

इंडक्शन कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने ₹साइबर सुरक्षा₹ विषय पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन में सावधानियां, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और साइबर अपराध की शिकायत प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थियों के लिए साइबर अपराधों की प्रकृति और उनके कानूनी पहलुओं को समझना बेहद आवश्यक है।

द्वितीय सत्र में हैप्पीनेस एवं मेडिटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्री आनंद राय ने योग, ध्यान और प्रेरणादायक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, मानसिक एकाग्रता और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) के साथ-साथ बीएससी एग्रीकल्चर एवं बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (बीपीईएस) के नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. वनिता सिंह ने दिया। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. प्रियंका कुमारी, जय सिंह एवं रजनीश सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया।

जिलाधिकारी ने आधार सेवाओं की समीक्षा की, नामांकन और बायोमेट्रिक अपडेट में तेजी लाने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 0-5 वर्ष के बच्चों के आधार नामांकन, 5-7 वर्ष एवं 15-17 वर्ष आयु वर्ग के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, लंबित मामलों तथा आधार केंद्रों के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि आधार नामांकन एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण आधार सेवाएं मिल सकें। उन्होंने विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने पर जोर दिया।

बैठक में जिलाधिकारी ने UIDAI के Aadhaar App के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को डिजिटल आधार प्रोफाइल, सुरक्षित क्यूआर कोड आधारित पहचान सत्यापन, आधार विवरण साझा करने सहित ऐप पर उपलब्ध अन्य सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जाए, जिससे लोग डिजिटल सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा, संबंधित विभागों के अधिकारी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, वक्ख्अकके प्रतिनिधि एवं आधार नामांकन एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मलेरिया रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय, महरूपुर में चलाया गया विशेष अभियान

29 जल पात्रों की जांच में 5 स्थानों पर मिले मच्छरों के लार्वा, तत्काल कराया गया नष्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार अभियान चला रहा है। इसी क्रम में जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिरकोनी ब्लॉक के ग्राम महरूपुर स्थित चौहान बस्ती में भ्रमण कर दस्तक संचारी अभियान, कुष्ठ रोग जागरूकता एवं डेंगू-मलेरिया नियंत्रण संबंधी निरोधात्मक गतिविधियां संचालित कीं।

अभियान के दौरान टीम ने फीवर सर्वे, डेंगू, मलेरिया और कुष्ठ रोग सर्वे किया, जिसमें कोई भी धनात्मक मरीज नहीं मिला। टीम ने कुल 29 जल पात्रों का निरीक्षण किया, जिसमें 5 जल पात्रों में मच्छरों के लार्वा पाए गए। स्वास्थ्य कर्मियों ने तत्काल लार्वा को नष्ट कराया और अन्य जल पात्रों को खाली कराकर उल्टा रखवाया, ताकि जल जमाव न हो सके।

इस दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपाय बताए गए। लोगों को घरों के आसपास साफ-सफाई रखने, पानी जमा न होने देने, कूलर, गमले और फ्रिज की ट्रे का पानी नियमित बदलने, टंकियों को ढककर रखने, मच्छरदानी का प्रयोग करने और पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने की सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि बुखार होने पर तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क जांच और उपचार कराएं। अधिकारियों ने बताया कि समय पर जांच और इलाज से डेंगू-मलेरिया से होने वाली गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जनवरी 2026 से अब तक जिले में डेंगू के 5 और मलेरिया के 14 मरीज सामने आए हैं, लेकिन किसी भी मरीज की इन बीमारियों से मृत्यु नहीं हुई है।

अभियान में एसएफडब्ल्यू इंद्रजीत सिंह, एनएमएस अखिलेश चंद्र और एनएमए अखिलेश गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने डॉ. बृजेश चक्रवर्ती को सौंपी नेत्र सर्जन की उपाधि

चक्रवर्ती परिवार ने बढ़ाया जौनपुर का गौरव, चिकित्सा क्षेत्र में लगातार दे रहे सेवाएं

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के द्वितीय दीक्षांत समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चक्रवर्ती हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. चक्रवर्ती के बड़े पुत्र डॉ. बृजेश चक्रवर्ती को नेत्र सर्जन की उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया।

एमबीबीएस के बाद डॉ. बृजेश ने कड़ी मेहनत और लगन से अपनी पढ़ाई जारी रखी और नेत्र सर्जन बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा कि आगे भी मरीजों के हित में ईमानदारी और पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। डॉ. चक्रवर्ती के छोटे पुत्र डॉ. विजय चक्रवर्ती भी एमबीबीएस के बाद एमएस की पढ़ाई कर रहे हैं। चक्रवर्ती परिवार के करीब आधा दर्जन सदस्य चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. बृजेश की उपलब्धि पर परिजनों, इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई दी।

संत रविदास गुरुजी की 650वीं जयंती पर भाजपा नगर उत्तरी ने निकाली भव्य शोभायात्रा, नगर भ्रमण कर दिया समरसता का संदेश

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के अवसर पर भाजपा संगठन के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे समरसता संपर्क अभियान के तहत मंगलवार को भाजपा जौनपुर नगर उत्तरी मंडल द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का नेतृत्व नगर उत्तरी मंडल अध्यक्ष श्रीमती सारिका सचिन सोनी ने किया। शोभायात्रा हरखपुर वार्ड से प्रारंभ हुई। इससे पूर्व संत रविदास गुरुजी की प्रतिमा पर विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती की गई। इसके बाद बैंड-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा ने नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं और कार्यकताओं ने संत रविदास महाराज के जयकारे लगाए। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा देवी मौर्य ने कहा कि संत रविदास गुरुजी ने अपना पूरा जीवन समाज के उत्थान और मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया एडवोकेट ने कहा कि संत रविदास सहित सभी महापुरुषों के सम्मान और उनके विचारों को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार संकल्पित है। पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा सुनील सेठ ने कहा कि संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना चाहिए। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर उत्तरी मंडल प्रभारी परविंद चौहान ने संगठन की सक्रियता पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा नगर उत्तरी मंडल संगठन के निदेर्शों का बूथ स्तर तक पालन करता है। उन्होंने कहा कि निष्क्रिय पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में महिला आयोग की पूर्व सदस्य श्रीमती शशि मौर्या, पूर्व सभासद शैल साहू, वरिष्ठ नेता डॉ. रामसूरत मौर्य, पूर्व जिला मंत्री धर्मपाल चौधरी सहित कई नेताओं ने संत रविदास जी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। नगर उत्तरी मंडल अध्यक्ष श्रीमती सारिका सचिन सोनी ने बताया कि मंत्री गिरीश चंद्र यादव के नेतृत्व में निकाली गई इस शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। शोभायात्रा में राजेश श्रीवास्तव एडवोकेट₹बच्चा भैया, श्रीमती मनोरमा मौर्य, डॉ. रामसूरत मौर्य, राहुल साहू, सुनील सेठ, धर्मपाल कन्नौजिया, शशि मौर्या, शैल साहू, करुणा मौर्य, परविंद चौहान, सारिका सचिन सोनी सहित भाजपा के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा नगर उत्तरी मंडल मीडिया प्रभारी सन्नी चौधरी ने दी।

रील बनाने वाली पत्नी युवक के साथ फरार, पति और सास ने पुलिस आयुक्त से लगाई गुहार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र के क्षत्रियपुर निवासी मनोज कुमार ने अपनी पत्नी के लापता होने के मामले में पुलिस आयुक्त से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी शैजल 29 जुलाई 2026 को बृजेश कुमार नामक युवक के साथ घर से चली गई। मनोज का कहना है कि उसकी पत्नी सोशल मीडिया पर रील बनाने को लेकर सक्रिय रहती थी और कुछ लोगों के लगातार संपर्क में थी। आरोप लगाया कि बृजेश कुमार और राजू नामक दो युवक अक्सर उसके घर आते-जाते थे। पत्नी के घर से जाने के बाद बृजेश द्वारा फोन पर गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि दोनों युवक उसकी पत्नी के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। उसका कहना है कि शिवपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। मनोज और उसकी सास ने पुलिस आयुक्त से मामले में गंभीरता से जांच कराने, आरोपित युवकों से पूछताछ कर महिला का पता लगाने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चार पहिया वाहन की चपेट में आने से मिठाई विक्रेता की मौत, परिवार में मचा कोहराम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के नरहन (लुत्तीपुर) गांव निवासी 37 वर्षीय मिठाई विक्रेता बृजेश यादव की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। सोमवार रात करीब आठ बजे मनियरा मोड़ के पास चार पहिया वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बृजेश यादव पुत्र लालजी यादव छह भाइयों में सबसे बड़े थे और केराकत-देवगांव सरकी मार्ग स्थित पहलवान बाबा मंदिर के पास मिठाई की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

चांदी लूटकांड के दो बदमाशों के पैरों में लगी गोली, एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह भी घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में चौक थाना क्षेत्र में हुई चांदी लूटकांड के दो आरोपियों को पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ लंका थाना क्षेत्र के लौटूबीर के पास हुई, जहां पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के दोनों पैरों में गोली लगी। वहीं मुठभेड़ के दौरान एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह के दाहिने हाथ में भी गोली लगने से वह घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पुलिस को चौक थाना क्षेत्र में हुई चांदी लूट की घटना में शामिल बदमाशों के लौटूबीर क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। सूचना पर एसओजी और लंका थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। गोलीबारी के दौरान एसओजी प्रभारी गौरव कुमार सिंह के दाहिने हाथ में भी गोली लगी। उन्हें तत्काल उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

विघ्नहर्ता के आगमन से सफर हो आसान: गणेशोत्सव के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाने की मांग

नई दिल्ली। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पालघर, वसई-विरार और पश्चिम रेलवे के लाखों यात्रियों से जुड़े महत्वपूर्ण रेल मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से आगामी गणेशोत्सव के दौरान कोंकण जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन सहित कई मांगों का विस्तृत ज्ञापन रेल मंत्री को सौंपा।

डॉ. सावरा ने कहा कि हर वर्ष गणेशोत्सव के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मुंबई महानगर क्षेत्र से अपने पैतृक गांव कोंकण की ओर जाते हैं। ऐसे में ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए उन्होंने 10 सितंबर से 25 सितंबर 2026 तक वसई रोड-सावंतवाड़ी रोड के बीच दोनों दिशाओं में विशेष गणेशोत्सव स्पेशल ट्रेनें चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे पालघर, वसई-विरार तथा आसपास के क्षेत्रों के लाखों श्रद्धालुओं को सीधी और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा तथा मुंबई के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भी भीड़ का दबाव कम होगा।

पालघर स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग

सांसद ने पालघर रेलवे स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों को व्यावसायिक ठहराव (कमर्शियल हॉल्ट) देने की मांग भी रखी। इनमें 22901/22902 बांद्रा टर्मिनस-उदयपुर सिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने तथा पालघर में ठहराव देने के साथ 12907/12908 महाराष्ट्र संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, 12989/12990 दादर-अजमेर सुपरफास्ट, 20941/20942 बांद्रा-गाजीपुर एक्सप्रेस, 12955/12956 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट और 22943/22944 दौंड-इंदौर एक्सप्रेस को भी पालघर स्टेशन पर ठहराव देने का अनुरोध किया गया।

विरार-नायगांव के बीच चार नए फ्लाईओवर शीघ्र पूरे करने की मांग

डॉ. सावरा ने वसई-विरार क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को देखते हुए विरार और नायगांव के बीच पूर्व-पश्चिम संपर्क को मजबूत करने वाले चार रेलवे ओवरब्रिज (ROB) के निर्माण कार्य में तेजी लाने की भी मांग की। इनमें विराट नगर-विरार, ओसवाल नगरी-नालासोपारा, अलकापुरी-नालासोपारा तथा उमेलमान-वसई को जोड़ने वाले प्रस्तावित फ्लाईओवर शामिल हैं।

उमरोली और घोलवाड़ स्टेशन की सुविधाओं पर भी जोर

ज्ञापन में उमरोली रेलवे स्टेशन पर 59023, 69173 दहानू टएटव तथा 19425 बांद्रा टर्मिनस-नंदुरबार एक्सप्रेस को व्यावसायिक ठहराव देने की मांग की गई, जिससे विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों को राहत मिल सके।

इसके अलावा घोलवाड़ स्टेशन से मुंबई की ओर जाने वाली टएटव ट्रेनों की संख्या बढ़ाने तथा स्टेशन पर प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, बेहतर साफ-सफाई और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया गया।

पालघर बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत पैकेज जारी

वसई-विरार/पालघर। जुलाई में हुई भीषण बारिश और बाढ़ से प्रभावित वसई-विरार एवं पालघर जिले के नागरिकों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने विशेष राहत पैकेज की घोषणा की है। विधायक राजन नाइक ने प्रभावित लोगों से वसई-विरार महानगरपालिका या जिला कलेक्टर कार्यालय में आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने घरों, झोपड़ियों, दुकानदारों, किसानों, मछुआरों, गणेश मूर्ति निमार्ताओं, कारीगरों तथा छोटे व्यापारियों के लिए आर्थिक सहायता मंजूर की है। पैकेज के तहत जलभराव से प्रभावित परिवारों को 20 हजार रुपये, पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकान के लिए 1.50 लाख रुपये, आंशिक क्षति पर 50 हजार एवं 15 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

पात्र झोपड़ी धारकों को 15 हजार रुपये, किसानों को पशुधन नुकसान पर निर्धारित मुआवजा, मछुआरों को नाव एवं जाल के नुकसान पर सहायता, जबकि स्थानीय कारीगरों और दुकानदारों को अधिकतम 50 हजार रुपये तथा टपरी धारकों को अधिकतम 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद मिलेगी।

विधायक राजन नाइक ने प्रशासन से शीघ्र पंचनामा पूरा कर सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कराने की मांग की है तथा किसी भी समस्या की स्थिति में नागरिकों से उनके जनसंपर्क कार्यालय से संपर्क करने की अपील की है।

गौशालाओं और पंचायत भवन का औचक निरीक्षण, जिलाधिकारी ने व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने मंगलवार को विकास खण्ड खुटहन क्षेत्र के वृहद गौ-संरक्षण केन्द्र गुलालपुर, अस्थायी गौशाला पट्टी नरेन्द्रपुर और पंचायत भवन पट्टी नरेन्द्रपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, निगरानी और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वृहद गौ-संरक्षण केन्द्र गुलालपुर के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव एवं पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि गौशाला में नियमित स्वच्छता बनाए रखी जाए। उन्होंने शेड का संचालन शीघ्र शुरू कराने, निमार्णाधीन बाउंड्रीवाल का कार्य समय से पूरा कराने तथा गोवंश के लिए पर्याप्त चारा, पेयजल, छायादार स्थान और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद जिलाधिकारी ने अस्थायी गौशाला पट्टी नरेन्द्रपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण कराने, वर्मी कम्पोस्ट इकाई को नियमित रूप से संचालित करने तथा गोवंश को पर्याप्त मात्रा में हरा एवं पौष्टिक चारा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और देखभाल व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। पंचायत भवन पट्टी नरेन्द्रपुर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लेखपालों को निर्धारित रोस्टर के अनुसार पंचायत भवन में उपस्थित रहकर जनसुनवाई और राजस्व संबंधी मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत भवन परिसर और पहुंच मार्ग की नियमित साफ-सफाई कराने तथा जनसेवा केन्द्र का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने को कहा, जिससे ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर आसानी से मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि गौशालाओं और पंचायत भवनों का संचालन शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी, लेखपाल, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, पशुचिकित्साधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जेडी शिक्षा ग्राम को मिली मास्टर आफ फामेर्सी एवं डॉक्टर आफ फामेर्सी की मान्यता

प्रतापगढ़। जिले में कोहंडौर हरिहरा बाबा के समीप स्थित जे०डी० शिक्षा ग्राम के तहत संचालित ज्योतिरादित्य इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी कोहडौर को फामेर्सी काउंसिल आफ इंडिया, नई दिल्ली से मास्टर ऑफ फामेर्सी (M.PhÔrm) और डॉक्टर ऑफ फामेर्सी (PhÔrmÔ. D) जैसे दो नए कोर्स की मान्यता मिल गई है। अब इन कोर्सों के लिए छात्रों को बाहर का रुख नहीं करना पड़ेगा। छात्र एवं छात्राएं जिले में ही उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे मास्टर ऑफ फामेर्सी के प्रमुख विषयों में जैसे फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री, फार्मास्यूटिक्स, फामोकॉलॉजी और फामार्कोग्नोसी में मास्टर्स की डिग्री यहां से छात्र-छात्राएं प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में जे० डी० शिक्षा ग्राम के अध्यक्ष दिनेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि अब छात्रों को मास्टर डिग्री करने और रिसर्च करने में सहायता मिलेगी।संस्थान के प्राचार्य डॉ० एच० एस० चौरसिया के अनुसार महाविद्यालय में पठन-पाठन के अच्छे माहौल के कारण ही यहां के छात्र सफलता अर्जित कर रहे हैं। विद्यालय को इन दो पाठ्यक्रमों की बहु प्रतीक्षित मान्यता मिल जाने से विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं में खुशी का माहौल है। ज्ञातव्य है कि मुंबई के उद्योगपति और समाजसेवी दिनेश त्रिपाठी ने एजुकेशन फॉर ऑल की संकल्पना के साथ वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद स्थित कोहंडौर में राष्ट्रीय राजमार्ग के ठीक बगल जेडी शिक्षा ग्राम की स्थापना की। 43 एकड़ क्षेत्र में फैला यह शैक्षणिक संस्थान आज पूरी तरह से एजुकेशनल हब के रूप में तब्दील हो चुका है। फामेर्सी, इंजीनियरिंग, पैरामेडिकल, मेडिकल, लाइफ साइंस से लेकर आर्ट्स ,साइंस ,कॉमर्स, लॉ कॉलेज, प्री प्राइमरी, प्राइमरी, लिबरल साइंस जैसे अनेक स्कूल और कॉलेज एक ही कैंपस में संचालित किया जा रहे हैं। दिनेश त्रिपाठी के अनुसार भारत गांवों का देश है।

कहते हैं कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। यही कारण है कि उन्होंने ग्रामीण शिक्षा को प्रभावशाली और गतिशील बनाने की दिशा में इसकी स्थापना की। उन्होंने कहा कि जेडी शिक्षा ग्राम विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए संकल्पित है। यही कारण है कि यहां अच्छे और प्रभावशाली शिक्षक रखे गए हैं। यहां पर इंडियन मेडिसिन (आयुष) फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स अकैडमी, वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, एग्रीकल्चर साइंस, सॉफ्ट स्किल्स, स्पिरिचुअल हीलिंग जैसे पाठ्यक्रमों के भी सुविधा है। 4000 से अधिक विद्यार्थी यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। प्रिंसिपल्स के अलावा करीब डेढ़ सौ शिक्षक तथा 50 शिक्षणेत्तर कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। यहां का वाचनालय, प्रयोगशालाएं देखने लायक है।

आधुनिक इंटरसेप्टर वाहन से अब जौनपुर की सड़कों पर होगी ओवरस्पीडिंग पर सख्त निगरानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जनपद जौनपुर यातायात पुलिस को आधुनिक इंटरसेप्टर वाहन उपलब्ध कराया गया है। उत्तर प्रदेश यातायात निदेशालय द्वारा आधुनिकीकरण योजना एवं उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा कोष के अंतर्गत FD कार्यक्रम के तहत क्रय किए गए इस चार पहिया इंटरसेप्टर वाहन (UP32FG5150) को पुलिस लाइन जौनपुर से अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अत्याधुनिक वाहन स्वचालित स्पीड रडार प्रणाली सहित कई यातायात उपकरणों से लैस है, जिसके माध्यम से तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। खासकर ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों की निगरानी कर यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से 7 क्रिटिकल कॉरिडोर चिन्हित किए गए हैं, जिनके अंतर्गत 14 क्रिटिकल थाना क्षेत्र आते हैं। इनमें 6 राष्ट्रीय राजमार्ग और 1 राज्य मार्ग शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 359 किलोमीटर है। इन मार्गों पर इंटरसेप्टर वाहन नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। यातायात पुलिस का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में कमी लाना, आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और प्रभावी प्रवर्तन के माध्यम से सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। हेडिंग विकल्पः जौनपुर की सड़कों पर अब तेज रफ्तार पर लगेगी लगाम, मिला हाईटेक इंटरसेप्टर वाहन ओवरस्पीडिंग पर होगी डिजिटल निगरानी, यातायात पुलिस को मिला आधुनिक इंटरसेप्टर सड़क सुरक्षा को मिली नई ताकत, जौनपुर पुलिस के बेड़े में शामिल हुआ इंटरसेप्टर वाहन

थाने में मैथिल समन्वय समिति मुंबई का 10वां 'धीरज प्रतिभा सम्मान समारोह' संपन्न

मुंबई/थाने। थाने स्थित राम गणेश गडकरी रंगायतन हॉल में मैथिल समन्वय समिति, मुंबई द्वारा आयोजित 10वें वार्षिक ₹धीरज प्रतिभा सम्मान समारोह₹ का भव्य आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, युवा और बच्चों ने भाग लिया। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा, प्रतिभा और कठिन परिश्रम के लिए सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मान समारोह पिछले 10 वर्षों से लगातार बिना किसी व्यवधान के हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बिहार समाज की एकता, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक बन चुका है। यह सम्मान समारोह समाजसेवी एवं समारोह के संस्थापक स्वर्गीय धीरज झा की स्मृति को समर्पित है। उनकी प्रेरणा और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाने में श्रीमती इंदु झा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके प्रयासों से यह सम्मान हर वर्ष समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का उत्साहवर्धन करता है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम की सफलता के लिए समाज के मार्गदर्शक संदीप झा के निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन की भी सराहना की गई। आयोजकों ने बिहार समाज के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माता सीता की धरती से मिले संस्कार आज भी मुंबई की मिट्टी में अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं। वक्ताओं ने महिला शक्ति के सम्मान को समाज की वास्तविक पहचान बताते हुए कहा कि बच्चों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद देना हमारी गौरवशाली परंपरा है। समारोह का समापन बिहार समाज की एकता, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

गांधीनगर में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

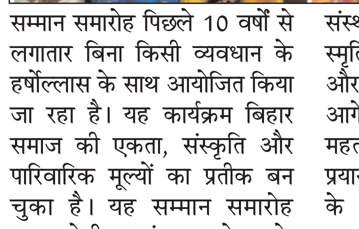

गांधीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति का राष्ट्रीय अधिवेशन गुजरात की राजधानी गांधीनगर स्थित उमिया फाउंडेशन सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 850 पत्रकारों, संगठन के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं, अधिवक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य सम्पूर्ण भारतवर्ष में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने का राष्ट्रीय संकल्प रहा।

कार्यक्रम में गुजरात सरकार के कैबिनेट मंत्री कुँवरजी बावड़िया, राज्यमंत्री कांतिलाल अमरूतिया, विधायक धवलसिंह जाला, विधायक अरविंदभाई पटेल, आम आदमी पार्टी गुजरात प्रदेश अध्यक्ष इशुदान गढ़वी, पूर्व केंद्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता मनहर पटेल, मुंबई से दिलशाद एस. खान अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संपादक, दैनिक समाचार पत्र 'मुंबई हलचल' सहित गुजरात एवं देश के विभिन्न राज्यों से आए पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्र पत्रकारिता का विषय लोकतंत्र से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो राजनीतिक सीमाओं से ऊपर है। अधिवेशन में पूर्व सांसद, पूर्व राज्यमंत्री एवं निर्दलीय विधायक सहित कई गणमान्य लोगों ने संबोधन किया और पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता, पत्रकारों के अधिकार एवं लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर अपने विचार रखे। पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने और लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य करते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है। राष्ट्रीय महासचिव महफूज खान ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार केवल एक पेशा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की जिम्मेदारी निभाने वाला माध्यम है। उन्होंने पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए अपने लंबे संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से जंतर-मंतर पर आंदोलन, धरना-प्रदर्शन एवं पत्रकारों के मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाई गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ी को पत्रकारों पर हो रहे अत्याचार, फर्जी मुकदमों एवं पत्रकार सुरक्षा से जुड़े विषयों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था। महफूज खान ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल पत्रकारों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता, निष्पक्षता और जनहितकारी भूमिका को मजबूत करना भी है। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी राकेश प्रताप सिंह परिहार ने संगठन के उद्देश्य और भविष्य की रणनीति पर अपने विचार रखे। अधिवेशन में उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह, जयपुर से मनमोहन सिंह, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष गोविंद शर्मा, बिहार से मनोज सिंह एवं सुनील चौधरी सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों ने पत्रकार सुरक्षा कानून एवं संगठन विस्तार को लेकर अपने विचार रखे। पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए राष्ट्रीय अभियान, संगठन का राज्य एवं जिला स्तर पर विस्तार, पत्रकारों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना, ग्रामीण एवं डिजिटल पत्रकारों को संगठन से जोड़ना तथा पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे की रणनीति तय की गई। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने संकल्प लिया कि देशभर के पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान को और मजबूत किया जाएगा।

वंदना राठोर ने 11 किलो की शिव प्रतिमा कंधे पर उठाई

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)। इंदौर शहर में शिव भक्ति और दृढ़ संकल्प का एक अद्भुत उदाहरण देखने को मिला है। भिंड जिले के अति प्राचीन और प्रसिद्ध वनखंडेश्वर मंदिर से पैदल यात्रा पर निकलीं महिला श्रद्धालु वंदना राठौर व नितिन शर्मा रविवार को इंदौर पहुंचीं। कंधे पर भगवान भोलेनाथ की 11 किलोग्राम वजनी प्रतिमा लेकर चल रहीं वंदना की इस निष्ठापूर्ण पदयात्रा को देखकर हर कोई आश्चर्यचकित और अभिभूत है। वंदना राठौर ने अपनी इस यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने यह पदयात्रा 17 जून को भिंड से शुरू की थी। उनका मुख्य लक्ष्य 70 दिन की अवधि में लगभग 700 किलोमीटर की दूरी तय करना है। इंदौर के इस पड़ाव के बाद यह यात्रा कुल 2 महीने 10 दिन का समय पूरा करके वापस भिंड पहुंचकर विधिवत संपन्न होगी। जब वह भारी-भरकम शिव प्रतिमा को कंधे पर उठाकर इंदौर पहुंचीं, तो स्थानीय निवासियों और अन्य शिवभक्तों ने उनका स्वागत किया।पवित्र सावन मास के दौरान इंदौर में आस्था के ऐसे अनोखे दृश्य लगातार देखने को मिल रहे हैं। वंदना के साथ इस आध्यात्मिक यात्रा में मुरैना निवासी नितिन शर्मा भी शामिल हैं। यह दोनों ही श्रद्धालु उज्जैन स्थित विश्वप्रसिद्ध बाबा महाकाल के दर्शन करने के उद्देश्य से निकले हैं। यात्रा के दौरान वंदना लगातार 11 किलोग्राम वजनी भगवान शिव की प्रतिमा को अपने कंधे पर रखकर सफर तय कर रही हैं।